तरुण भारत संघ

ग्राम स्वावलम्बन
की दिशा में
दो कदम

1995-97 के कार्यों पर एक नज़र

प्रकाशक : तरुण भारत संघ, भीकमपुरा
पो.- किशोरी
वाया- थानागाजी- 301 022
जिला- अलवर (राज.)
मुद्रक : कुमार एण्ड कंपनी, जयपुर

1. तरुण भारत संघ वर्ष 1995-96 का कार्य विवरण

तरुण भारत संघ ने 1985 में थानागाजी क्षेत्र में जल संरक्षण का काम शुरू किया था। उस समय यहां के लोग भूख, प्यास, बेकारी, लाचारी से शहरों की ओर पलायन कर रहे थे। प्राय: सब कुएँ सूख चुके थे, नदी, नाले वर्ष भर सूखे पड़े रहते थे। गाय, पशुपालकों ने अपने दरवाजे से खोल दी थी। भेड़, बकरी, ऊंट आदि भी कम संख्या में दिखाई देते थे। 1986 में इन भयानक हालातों को बदलने की ताकत समाज में भरने का संकल्प इस संस्था और समाज ने मिलकर लिया। सबसे पहले समाज में भूले व लुप्त होते तरीकों की खोज शुरू हुई और फिर समाज अपने तरीकों के बल पर बदलने के साथ-साथ खड़ा होने लगा। समाज में सबसे पहले अपने अन्न के स्वावलम्बन करने की चर्चा हुई, तो पानी की पूर्ति व्यवस्था की योजना बनी। तालाब बनाने का निर्णय लिया गया। समाज के इस निश्चय में मदद करने की सब ने मिलकर ठान ली और क्षेत्र में तालाब बनाने का काम शुरू हुआ। पहले वर्ष में 1 तालाब बना। उसके बाद गुणात्मक रूप में तालाब बढ़ते गये। अब यह आंकड़ा 862 से ऊपर पहुंच गया है। इनके अलावा लगभग 200 तालाब लोगों ने पूर्ण श्रमदान से बनाये हैं।

इन तालाबों का परिणाम यह हुआ कि, सरकार को अपने रिकार्ड बदलने पड़े। यह डार्क जोन अब व्हाइट जोन में बदल गया। इस क्षेत्र की पांच छोटी नदियां, अरवरी, बान्डी, सरसा, जहाज वाली, बुजा व नीमी वाली नदी अब वर्ष भर बहने लगी हैं। खेतों का कुओं द्वारा पूर्ण सिंचन करने तथा सीधे नदी से जल उठाकर भूमि सिंचित करने से फसल होने लगी है। अब यहां जगह-जगह पशु, पक्षियों व लोगों को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होता है। अनाज की पैदावार लगभग 4 गुनी बढ़ गई है। कुओं का जल स्तर बहुत ऊपर आ गया है। इससे इस क्षेत्र में डीजल की भी बचत शुरू हो गई है। पहले जहां कहीं एक-दो कुओं में पानी था, बहुत गहरा था। इसलिए इंजन पूरा दिन-रात नहीं चल पाता था। एक-आध घंटा डीजल इंजन चलता था। फिर कुओं का पानी खत्म हो जाता था। 5 लीटर डीजल से 1 बीघा सिंचाई होती थी। अब नदी से सिंचाई करने से 1 लीटर खर्च होता है। कुओं से सिंचाई करने में 2 लीटर डीजल खर्च होता है। एक बार इंजन शुरू करके पूरी सिंचाई करने के बाद ही इंजन बंद होता है, इससे किसानों के डीजल व समय, दोनों की बचत हुई है।

इस कार्य से महिलाओं के कष्ट भी कम हुए हैं। पहले महिलाओं को पेय जल की व्यवस्था करने हेतु बहुत दूर तथा गहराई से पानीं खींचकर लाना पड़ता था। अब इन्हें सहज ही जल उपलब्ध हो जाता है, जिससे इनकी ऊर्जा बचती है तथा समय भी बचने लगा है। जल-प्रबन्ध के कारण खेती पशुपालन से जो उत्पादन बढ़ा है, उसकी आय भी यहां की महिलाओं के हाथ में आती है। इसके कारण महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण हुआ है। इस कार्य में एक लाख से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ।

महिलाएं अब बचे हुए समय में अपने घर-परिवार के साथ समाज के हित की बात भी सोचती हैं। अब यहां की लड़कियां भी स्कूल जाने लगी हैं। जिन गांवों में पहले 1 भी लड़की स्कूल नहीं जाती थी। अब उन गांवों में औसतन 30 लड़कियां स्कूल जाने लगी हैं। आजकल त. भा. सं. का कार्य 332 गांवों में चल रहा है। इस प्रकार 332 x 30 = 9960 लड़कियां स्कूल जाने लगी हैं। यह त.भा.सं. के महिला जागरूकता कार्यक्रम का परिणाम है। स्कूल में लड़कियों की संख्या भी बढ़ी है, लड़कों की भी संख्या बढ़ी है। इस प्रकार महिलाओं के सशक्तीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए गांव-गांव में महिला संगठन एवं महिला बैंक तथा महिला स्वयंसेवक समूह बनाये गये हैं। ये समूह गांव में जल, जंगल, जमीन संरक्षण कार्यों में मदद करने के साथ-साथ तालाब बनाने हेतु श्रमदान तथा गांव की सहयोग राशि जुटाने में मदद करते हैं। इस समय त.भा.सं. के साथ 137 महिला समूह सक्रिय हैं। ये समूह ग्रामसभा के कार्यों में सहयोग करने हेतु ग्रामसभा द्वारा ही गठित किये गये, क्योंकि इस क्षेत्र की महिलाएं पुरुषों से अलग बैठकर बातचीत करना पसन्द करती हैं।

तालाब बनाने का काम या गांव की सामलात देह को बचाने का काम या सामलाती भलाई के कामों को गति देने के लिए गांव के स्तर पर लोक समितियाँ, ग्राम संगठन या ग्रामसभा इस प्रकार का संचालन करती है। इस समय त.भा.सं. के साथ 215 ग्रामसभा सक्रिय हैं। इसमें 98 तो अपना नियमित हिसाब-किताब रखती हैं। 11 गांवों के लोगों ने अपना ग्राम कोष बनाया है। ग्राम कोष से सामलाती

संसाधन निर्मित होने लगे हैं। अब ये दूसरों की मदद के लिए मोहताज नहीं हैं। अब ऐसे कई गांव हैं, जो केवल अपने श्रमदान व योजनाओं से अपने गांव का विकास कार्य कर रहे हैं। त.भा.सं. ने प्रयास किया है कि लोगों की अपनी कौशल-क्षमता बढ़े। अब एक-दूसरे के काम को देखकर गांव-गांव में कार्य बढ़ रहा है। अब यह काम सहज रूप से लोगों की शक्ति, क्षमता तथा खोये सम्मान को वापस लाने में सफल हुआ है। यहां के लोगों ने कई छोटी-छोटी लड़ाईयां संगठित होकर जीत ली हैं। सबसे पहली लड़ाई गांव गोपालपुरा में वर्षा जल प्रबन्ध करने में आ रही कानूनी अड़चनों को 1986-87 में दूर करने हेतु लड़ी गई। 1987-88 में सरिस्का के 22 गांवों में ग्रामीणों ने हकों की लड़ाई लड़ी और जीती तथा 1989-90 में गोचर बचाने के लिए संघर्ष किया। 1990 से आज तक खदानों के विरुद्ध संघर्ष जारी है। अभी नदी, नालों और पहाड़ों के हकों के लिए लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की। इस प्रकार त.भा.सं. के मूल रचनात्मक कार्यों में जो भी अड़चनें आती हैं, उसे दूर करने के लिए संघ खड़ा हो जाता है और अहिंसक सत्याग्रह या संघर्ष का रास्ता अपनाते हुए आगे बढ़ता है।

त. भा. सं. का यह मानना है कि, समाज में आज निर्माण की प्रक्रिया धीमी पड़ी है। इसको तेज करने हेतु छोटे-छोटे निर्माण तथा अहिंसक संघर्ष करने होंगे। लोक संघर्ष से लोगों का सशक्तीकरण होता है तथा सरकारी व्यवस्था संवेदक बनती है। संवेदक और सशक्तीकरण से निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है। यह प्रक्रिया ही समाज में समरसता पैदा करती है। यह अनुभव तरुण भारत संघ के कार्य- क्षेत्र में सैकड़ों गांवों में सिद्ध हो चुका है।

समाज के अपने खोये सम्मान व स्वाभिमान को वापस प्राप्त करने हेतु अपने देशज तरीकों को अपनाया गया है। इसलिए यहां ग्राम गुरु, गुणी, थाई, धराडी जैसी महत्वपूर्ण परम्पराएं पुन: व्यवहार में आने लगी हैं। थाई व्यवस्था के कारण अब गांव के आपसी विवाद थाई पर बैठ कर निपटा लिये जाते हैं। पेड़ काटने को रोकने के लिए धराडी परम्परा जीवित की गई। इसके चलते यह क्षेत्र पुन: हरा-भरा दिखने लगा है। ग्रामवासी अपनी रखतवनी, कांकड़ वनी, देव वनी, देव ओरण्य, बीड और वाल के उपयोग को समझकर अब ये जहां कहीं बची है उनका संरक्षण, संवर्धन करने लगे हैं।

तरुण भारत संघ ने वर्ष 1995-96 में 290 बाँध/ जोहड़ बनाये तथा बाढ़ पीड़ितों की सेवा तथा राहत के कार्य किये। साथ ही साथ गरीबों की सामलात देह, गोचर व जंगल पर कब्जा करने वालों को रोकने हेतु लोगों के साथ मिलकर काम किया। शराब कारखानों एवं पांच सितारा पर्यटन तथा पर्यावरण दूषित करने वाले खनन जैसे उद्योगों से होने वाले विनाश को रोकने हेतु जनमानस तैयार किया। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के विरूद्ध संघर्ष करने हेतु लोकमानस बनाया। यह कार्य विशेषकर जिले की तिजारा तहसील ने किया।

परम्परागत चिकित्सा पद्धति से लगभग 9500 लोगों की चिकित्सा/सेवा का कार्य किया। सरिस्का के आसपास की जड़ी-बूटियों का अध्ययन एवं दस्तावेजीकरण किया। इस कार्य में स्थानीय गुणियों तथा युवकों को परम्परागत चिकित्सा पद्धति से प्रशिक्षित किया।

जैसलमेर, उदयपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर, जयपुर, दौसा तथा अलवर जिले में स्वैच्छिक समाज कार्यों को करने हेतु अन्य व्यक्तियों व संस्थाओं को सहयोग किया।

स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कताई, रंगाई व बुनाई का कार्य भी तरुण आश्रम में शुरू किया। गांवों में जंगल संरक्षण तथा जलागम विकास के कारण चापूणिया की लकड़ी से टोकरे बनाने का उद्योग पुन: शुरू हुआ। चारे व अनाज का उत्पादन बढ़ने के कारण खेती व पशुपालन में लोगों को काफी रोजगार मिलने लगा। अब तरुण भारत संघ के कार्यक्षेत्र में पेयजल व सिंचाई का संकट नहीं रहा। पिछले 11 वर्षों में इस क्षेत्र में जो अब तक हजारों बांध व जोहड़ बने हैं, उनके परिणामस्वरूप सितम्बर 1995 में आयी बाढ़ का दुष्प्रभाव भी नहीं रहा। बल्कि इस वर्ष की अतिवृष्टि का तरुण भारत संघ के कार्यक्षेत्र में बहुत अधिक लाभ हुआ। क्योंकि जो भी वर्षा हुई उसका 90 प्रतिशत जल इस क्षेत्र में बनी जल संरक्षण संरचनाओं में रुक गया, जिसके कारण वर्ष भर लोगों को जल उपलब्ध हो सका।

इस वर्ष मानसून में लगभग 1,25,000 पौधे, 300 गांवों की सार्वजनिक भूमि, निजी भूमि, घर व खेतों पर लगाये गये। तरुण भारत संघ ने ये पौधे अपनी पौधशाला में तैयार करके गांव-गांव पहुंचवाये। इनके संरक्षण व संवर्धन हेतु लोगों को प्रेरित करने के लिए

''पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ पद यात्रा'' का आयोजन किया गया। सैन्द्रिय खाद बनाने हेतु 60 गांवों में सैन्द्रिय खाद निर्माण प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

पंचायत राज्य संस्थाओं के चुनाव के पूर्व ही महिलाओं के शिक्षण व प्रशिक्षण का कार्य तरुण भारत संघ ने शुरू कर दिया था। चुनाव के बाद भी चुनकर आयी 1100 महिला पंच/सरपंचों को संघ द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षित महिलाएं अब अपनी पंचायत का काम भली प्रकार कर रही हैं।

समाप्त होती हुई परम्परागत बीजों की प्रजातियों को बचाने के लिए किसानों के साथ बातचीत करके पुराने बीजों के संरक्षण का काम किया। संघ खेती में जैविक विविधता बनाये रखने हेतु पूर्ण रूप से सजग है। बीजों की सुरक्षा हेतु संघ ने किसानों को पांच सौ से अधिक धातु की कोठियां तैयार करवा कर दीं। इस कार्य में भारत सरकार के अन्न सुरक्षा अभियान का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण रहा। ग्रामवासियों ने भी इसमें बहुत रुचि ली। राजस्थान सरकार के सहयोग से थानागाजी तहसील के 56 गांवों के लिए जलागम विकास की परियोजना शुरू की गई। इस परियोजना के लिए आर्थिक सहयोग स्विटजरलैण्ड विकास निगम 'एस.डी.सी.' व राजस्थान सरकार कर रही है।

स्विटजरलैण्ड की ही इन्टरकोआपरेशन नामक संस्था के सहयोग से 15 गांवों के 30 युवकों/युवतियों को सामलात देह प्रबंध प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षित युवकों/युवतियों के द्वारा ही उनके गांव में सामलात देह प्रबंध एवं विकास कार्यों हेतु काम किया गया। इन 15 गांवों में 68 जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण हुआ।

स्वीडन सरकार की सीडा नामक संस्था के आर्थिक सहयोग से उमरैण पंचायत समिति में 48 जोहड़ व बंधे बनाये गये।

इकों, नीदरलैण्ड के सहयोग से अलवर जिले की चार तहसीलों थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़ व अलवर ग्रामीण में 157 बांध व जोहड़ बनाये।

जर्मनी की जी.टी.जैड. के सहयोग से राजगढ़ तहसील की रैणी पंचायत समिति में 17 जोहड़ व बांधों पर कार्य चल रहा है।

भारत सरकार के केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड की सहायता से संघ द्वारा 14 शिशु पालनागृह राजगढ़ व थानागाजी के विभिन्न गांवों में चलाये गये।

महिलाओं के संवेदी मुद्दों के समाधान हेतु महिला संगठनों का एक मंच बनाया गया तथा महिलाओं के उत्थान हेतु सहज रूप से रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने के लिए कार्य किया गया। महिलाएं सामुदायिक कार्यों एवं निर्णयों में अपनी अहम भूमिका निभा सकें, इस हेतु महिलाओं की बैठकें अधिक संख्या में आयोजित की गईं। बच्चों व महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु बाल व महिला स्वास्थ्य चेतना कार्यक्रम चलाया गया। इसके तहत 11 शिविर आयोजित किये गये। महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए खेती व पशुपालन की परम्परागत व्यवस्था को कुछ सुधार के साथ पुन: बहाल करने पर जोर दिया गया। दरी व टोकरी बनाने का काम भी शुरू किया गया।

सबको शिक्षा देने की दृष्टि से थानागाजी तहसील के किशोरी संकुल में राजस्थान सरकार के सहयोग से लोक जुम्बिश परियोजना चलायी जा रही है।

हमारी मान्यता है कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति से सबका, खास कर गरीबों का स्वास्थ्य रक्षण एवं चिकित्सा संभव नहीं है। इसलिए अपने देशज स्वास्थ्य ज्ञान एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य रक्षण संसाधनों का सहारा लेकर ही स्वास्थ्य की रक्षा एवं चिकित्सा करनी पड़ेगी। इसी दृष्टि से तरुण भारत संघ ने ग्रामीण युवकों को प्रशिक्षण देकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य रक्षा करने हेतु तैयार किया है। ये युवा अब अपने गांव में ही आस-पास की जड़ी-बूटियों से स्वास्थ्य रक्षा व चिकित्सा का कार्य कर रहे हैं। यह तरुण भारत संघ का स्वदेशी चिकित्सा पद्धति का एक व्यापक कार्यक्रम बन रहा है। अब 70 ग्रामीण युवाओं ने जड़ी-बूटियों से चिकित्सा कार्य शुरू किया है।

आज देश में पशुओं की स्वदेशी नस्ल तेजी से समाप्त होती जा रही है। इसलिए संघ ने पशुओं की देशी नस्लों को समझने व बचाने के लिए दस्तावेजीकरण का काम किया है। अलवर जिले की बहुत ही महत्वपूर्ण जखराना नस्ल समाप्त होती जा रही है। इसे बचाने व बढ़ाने के लिए पशु विशेषज्ञों का एक दल गठित करके एक परियोजना चालू करने का निश्चय किया है। यह सेहत में स्वावलम्बन का काम है।

सरिस्का व जमुवारामगढ़ एवं कैला देवी वन्य जीव अभयारण्यों के जंगलों को बचाने हेतु जंगल जीवन बचाओ अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही साथ जंगलों में रहने वाले लोगों को जंगल व जंगली जीवों को बचाने हेतु संगठित किया है।

आज तरुण भारत संघ के कार्यक्षेत्र में 215 ग्राम सभाएं सक्रिय होकर स्वयं अपने सब कार्य ग्राम स्वावलम्बन के लिए खेती तथा खेती के लिए स्वावलम्बन को आधार मानकर कर रही हैं। बीज, पशु नस्ल सुधार, सेन्द्रिय खाद निर्माण आदि के उक्त वर्णित सभी कार्य स्वयं करने लगी हैं। ये मासिक बैठक करके अमावस्या या पूर्णिमा को मिलकर सबके हित का चिन्तन-मनन, करते हैं। अपने कार्यों की योजना बनाने, उसके संचालन करने तथा मूल्यांकन आदि करने का काम करते हैं। आपसी विवाद व समस्या का समाधान करते हैं।

11 गांवों में अपना ग्राम कोष तैयार कर लिया है। ये इस ग्राम कोष से अपने गांव की समृद्धि के काम करते हैं। बुरे वक्त में ग्राम कोष से भूखे लोगों की मदद करके परस्पर सहयोग की भावना बढ़ाने का काम होता है।

150 ग्राम सभा भी धीरे-धीरे सक्रिय होकर ग्राम स्वावलम्बन के लिए आगे बढ़ रही है। यह भी आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक स्वावलम्बन के कार्यक्रम बनाकर काम करने लगी हैं।

तरुण भारत संघ ने 11 वर्ष पूर्व जो ग्राम स्वराज्य के लिए काम शुरू किया था, अब इस कार्य की गति तेज हुई है। कार्यकर्ताओं व लोगों के मानस में भी इसकी दिशा स्पष्ट हुई है।

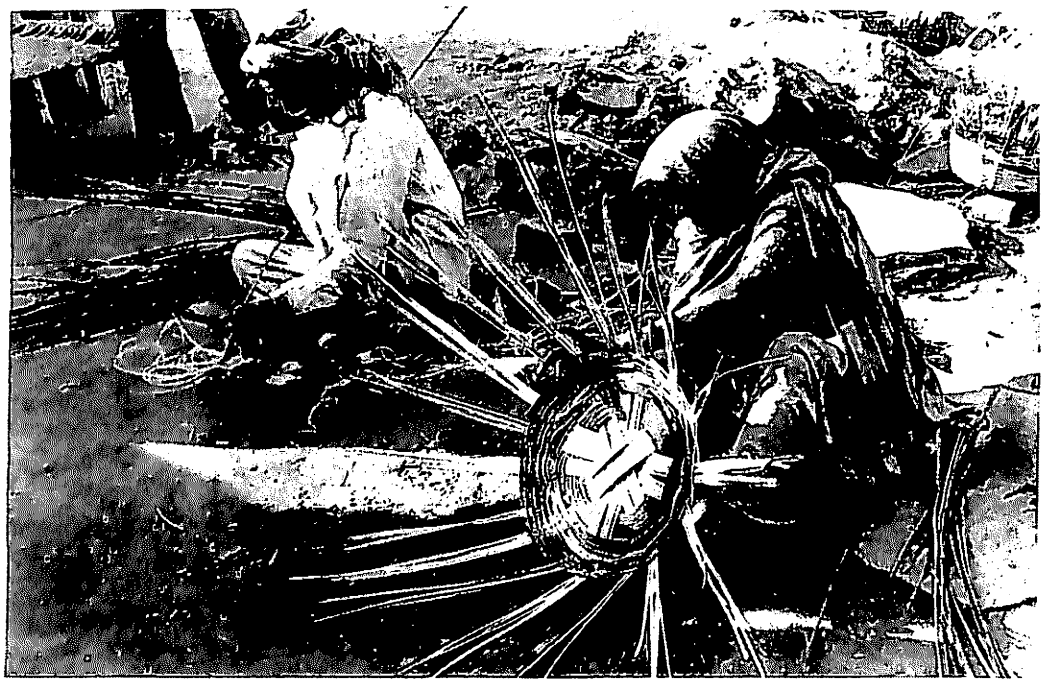

सूरतगढ़ गांव में ग्रामसभा द्वारा बचाये गये जंगल से मिलने वाली चांपूणियां से टोकरे बनाते कीर परिवार।

तरुण भारत संघ वर्ष 1995-96 कार्य विवरण

क्र. सं.	कार्य का नाम	संख्या	स्थान/क्षेत्र	सहयोगी संस्था
1.	जल संरक्षण संरचना निर्माण	290/बांध/जोहड़	अलवर, जयपुर, सवाईमाधोपुर दौसा, उदयपुर, जैसलमेर	ईक्को, आई.सी., सीडा जी. टी. जैड
2.	स्वास्थ्य सेवा, परम्परागत चिकित्सा प्रशिक्षण	70 गांव	थानागाजी राजगढ़	ईक्को
3.	सबको शिक्षा	51 गांव	किशोरी संकुल थानागाजी	लोक जुम्बिश परिषद्
4.	शिशुपालनागृह	14 गांव	थानागाजी, राजगढ़	केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड
5.	वाटरशैड विकास अजबगढ़ ''पावड़ी परियोजना''	56 गांव	अजबगढ़ क्षेत्र ''थानागाजी''	एस. डी. सी., राज. सरकार, भारत सरकार।
6.	सामलात देह प्रशिक्षण	15 गांव	थानागाजी, राजगढ़	आई सी.
7.	पौधशाला निर्माण	सवा लाख पौधे तैयार	थानागाजी	संस्थागत
8.	वृक्षारोपण	सवा लाख पौधे''300 गांव'' में दिये	सरिस्का क्षेत्र के चारों तरफ	संस्थागत
9.	अकाल राहत/बाढ़ राहत	17 गांव	किशनगढ़/कोटकासिम	
10.	महिला पंच/सरपंच प्रशिक्षण	1100 महिला	अलवर	ऑक्सफेम इन्डिया ट्रस्ट
11.	देशज बीज संरक्षण	27 बीज प्रजातियां	अलवर	संस्थागत
12.	संयुक्त वन प्रबंध	90 गांव	थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, बानसुर, अलवर	संस्थागत
13.	स्वरोजगार–कताई, बुनाई, रंगाई, टोकरी निर्माण	21 गांव	थानागाजी	संस्थागत
14.	सैन्द्रिय खाद निर्माण/ प्रशिक्षण	60 गांव लक्ष्मणगढ़, अलवर	थानागाजी, राजगढ़,	संस्थागत
15.	पशु नस्ल संरक्षण	जखराना नस्ल	अलवर	संस्थागत
16.	पर्यावरण चेतना	300 गांव	अलवर	संस्थागत
17.	महिला स्वास्थ्य चेतना अभियान	11 शिविर	अलवर ''300 गांव''	संस्थागत
18.	अन्न संरक्षण हेतु कोठी निर्माण	500 कोठी	थानागाजी	ईक्को, पावड़ी, अन्न सुरक्षा अभियान, ''भारत सरकार''
19.	जन संगठन -40 महिला समूह - 30 युवा संगठन - एक युवा मंच - महिला मंच	-90 ग्राम सभा	अलवर	संस्थागत

तरुण भारत संघ द्वारा लोगों के सहयोग से
वर्ष 1995-96 में बनाये गये बांध- जोहड़ों की सूची

क्र.सं.	जोहड़/ बांध का नाम	गांव का नाम	पं.सं.	संस्था द्वारा भुगतान राशि	श्रमदान
1.	कुंज सागर	कालेड	थानागाजी	□55055,00	□
2.	जबर सागर	हमीरपुर	,,	258901.50	42516.90
3.	पण्डाला की जोहड़ी	नटाटा	,,	7113.50	2371.00
4.	कॉकड़वाला बांध	नटाटा	,,	12549.00	12549.00
5.	चौकीदारों का जोहड़	सांवतसर	,,	16483.00	5494.00
6.	पीपलवाला जोहड़	सांवतसर	,,	10794.00	3598.00
7.	छोटी तलाई	सांवतसर	,,	3776.00	1259.00
8.	लालाकाला की जोहड़ी	डूमोली	,,	9852.00	3284.00
9.	राडी तला का बांध	डूमोली	,,	9616.50	9616.50
10.	कल्याण का बांध	डूमोली	,,	10106.00	10106.00
11.	भैंसाला का जोहड़	डूमोली	,,	1487.00	□495.70
12.	मूलसिंह का एनिकट	खटाला	,,	5900.00	
13.	नाभाली जोहड़ी	खरडाटा	,,	8404.50	2802.00
14.	सॉकड़ा वाला बाँध	भांवता	,,	75046.00	8392.00
15.	कोल्याली जोहड़ी	कोल्याला	,,	6463.00	2154.00
16.	भैरूं पटेल का पुराना बांध	भूरियावास	,,	32716.50	3866.50
17.	सामा खोरा का जोहड़	चौसला	,,	16577.50	5525.50
18.	भोडा बा की जोहड़ी	चौसला	,,	21504.50	3975.00
19.	पंचवीर वाली जोहड़ी	चौसला	,,	8524.00	□2841.50
20.	पचवीरा वाली जोहड़ी	टोडा	,,	924.00	336.00
21.	सुकला वाली जोहड़ी	नागलवानी	,,	13455.00	□4485.00
22.	खोरा वाली जोहड़ी	खोरया की ढाणी	,,	6946.00	□2315.35
23.	बाबाजी की जोहड़ी	,,	,,	6249.00	□2083.00
24.	रंगला की जोहड़ी	,,		4839.00	1432.00
25.	रघुनाथ का एनिकट	नरैठ	,,	19627.00	—
26.	रामपाल का एनिकट	नरैठ	,,	12400.00	—
27.	झालरा का जोहड़	नागेल	,,	□21882.00	7294.20
28.	पचवीरा की जोहड़ी	,,	,,	3374.25	1124.75
29.	नल वाली जोहड़ी	,,	,,	3259.50	1086.00
30.	बंध वाली जोहड़ी	,,	,,	1388.00	463.00
31.	खाला का जोहड़	आमका	,,	922.50	307.50

32.	खाला की बावड़ी वाली जोहड़ी	,,	,,	7875.00	2625.00
33.	गुर्जरों का गुवाड़ा वाली जोहड़ी	पालासाना	,,	6638.00	2212.40
34.	भोपां की जोहड़ी	,,	,,	5210.90	5210.90
35.	हनुमान का एनिकट	बाछड़ी	,,	2600.00	—
36.	बीजा की ढाह ''विजय सागर''	काला लांका	,,	11238.75	—
37.	कल्याण गुर्जर की मेड़बन्दी	जोधावास	,,	1899.00	1899.00
38.	चूरखा झाड़ का बांध	,,	,,	3405.00	3405.00
39.	गोपाल मीणा की मेड़बन्दी	टोड़ी	,,	4505.00	4504.00
40.	तेल्याला बांध लक्ष्मणसिंह	जयसिंहपुरा	,,	26002.50	—
41.	जगदीश पटेल का बांध	जयसिंहपुरा	थानागाजी	4502.50	—
42.	हीरामल की जोहड़ी	बल्लूवास	,,	9934.25	3311.50
43.	बीसा वाला बंध	गोविन्दपुरा	,,	67583.00	—
44.	रामजीलाल बलाई की मेड़बन्दी	गोपालपुरा	,,	3431.00	3431.00
45.	बदरी बलाई की मेड़बन्दी	गोपालपुरा	,,	4573.00	4573.00
46.	माली वाली जोहड़ी	जैतपुर ब्राह्मणान	,,	1367.00	455.70
47.	बराला का बांध	सीली बावड़ी	,,	5026.00	5026.00
48.	काला भाटा वाला जोहड़	,,	,,	5317.00	1772.00
49.	बाबाजी वाला जोहड़	,,	,,	2868.00	957.00
50.	राडा वाला जोहड़	नरमा का गुवाड़ा	,,	8770.50	2923.50
51.	रामानन्द का एनिकट	चाबेरियों की ढाणी	,,	26399.00	10785.00
52.	बोदूराम की मेड़बन्दी	मोरडी	,,	1269.75	□1269.75
53.	खारा कुण्ड का जोहड़	खेडा	,,	6954.50	2318.00
54.	काली राडी की मेड़बन्दी	हीसला	,,	3480.00	3480.00
55.	पंचवीरा वाला जोहड़	हरीपुरा	,,	28383.00	2461.00
56.	पीली ढाब वाली जोहड़ी	,,	,,	28383.00	2461.00
57.	नानगा वाला जोहड़	,,	,,	6221.50	2074.00
58.	ढिगारिया वाला जोहड़	ढिगारिया	,,	19478.60	6492.85
59.	बूज की तलाई	बूज	,,	7856.00	2618.75
60.	भोमिया वाला जोहड़	सीली बावड़ी	,,	82656.75	28937.25
61.	ताला वाला जोहड़	चावा का बांस	,,	15092.40	5030.80
62.	रामकिशन का एनिकट	बाछड़ी	,,	2800.00	—
63.	पापड़ी वाला बांध	भूराला	,,	1200.00	—
64.	चौडी रांकड़ा वाली जोहड़ी	सामरेड खुर्द	,,	11089.40	3696.50
65.	बीड़ वाले हनुमानजी का बांध	नीमी	,,	1,63,190.00	54430.00
66.	खरीका बांध	भानपुर कलां	,,	390.00	
67.	नीमड़ा वाला एनिकट	बूजा	,,	10353.50	10353.50
68.	मस्ता बाबा का जोहड़	जादूवास	,,	8152.50	2717.50
69.	पचवीर वाला जोहड़	गुढ़ा	बानसुर	5393.00	1798.00

70.	मंदिर के पास वाला जोहड़	जुगरावर का बास	,,	26122.00	—
71.	रामनाथसिंह वाला जोहड़	जुगरावर का बास	,,	1080.00	360.00
72.	जुगरावर वाला बांध	जुगगरावर का बास	,,	1868.00	6022.00
73.	स्कूल के पास वाला जोहड़	हल्दीना	थानागाजी	22737.80	7545.90
74.	भोमिया जी का जोहड़	कैरवाड़ा	,,	15882.00	5294.00
75.	मूंडिया वाला जोहड़	मूडियां	,,	1650.00	550.00
76.	घाटी वाला जोहड़	खरखड़ा	,,	1233.00	412.00
77.	जोड़ली का बांध "मीणा वाला"	,,	,,	23286.00	7762.00
78.	निचला जोहड़	बडेर का बांस	,,	11722.00	3907.00
79.	पठान वाली जोहड़ी	बडेर का वास	,,	2680.00	2680.00
80.	नागल बोहरा		,,	2602.00	195.00
81.	बांडी जोहड़ी	खान्या बस्सी	,,	13912.00	4637.00
82.	पीपल वाली जोहड़ी	खान्या बस्सी	,,	16371.00	5458.00
83.	जांड्याली जोहड़ी	डोगोता	,,	11432.00	3810.80
84.	मूंगल्यावाली जोहड़ी	,,	,,	19447.50	6482.50
85.	नई तलाई	नामदारपुरा	राजगढ़	4720.00	—
86.	लांकाश का जोहड़	लांकाश	,,	2537.00	845.00
87.	कीटला की तलाई	कीटला	,,	840.00	—
88.	धाकरेट की तलाई	बलदेवगढ़	,,	6415.00	2138.00
89.	जमादार की तलाई	श्यालूता	,,	2449.00	816.40
90.	भेरूं जी का ऊपर वाला जोहड़	लोसल ब्राह्मणान	,,	6682.00	2227.50
91.	प्रेम सागर, सुरजा वाला	बाकॉला देवरी	,,	3783.00	368.00
92.	शोभाराम की मेड़बन्दी	,,	,,	600.00	600.00
93.	गूंगा बंजारा का जोहड़	गडहट	खोह	8127.35	8127.35
94.	गूंगा बंजारा की मेड़बन्दी	,,	,,	2035.30	2035.30
95.	गूंगा बंजारे की मेड़बन्दी	,,	,,	3243.00	3243.00
96.	बाबा सागर	सक्काला	,,	7767.00	2589.30
97.	शिव सागर	,,	,,	9622.50	3207.50
98.	वीर सागर	,,	,,	1206.00	402.00
99.	गोध्याली जोहड़ी	रामपुरा	,,	12092.25	4030.75
100.	कोली वाला एनिकट	,,	,,	1171.50	—
101.	दॉतडा वाला एनीकट सीताराम का	रामपुरा	राजगढ़	4230.00	2358.75
102.	छीड़ी वाला जोहड़	,,	,,	3528.75	-
103.	पहाड़ी का जोहड़	घाटडा	,,	2239.50	746.50
104.	आसण का एनिकट	,,	,,	40587.50	5557.50
105.	सेढ़ वाला जोहड़	रूपबास	,,	2830.50	943.50
106.	पंचवीर वाला जोहड़	,,	,,	2238.75	746.25

107.	रूपवास का ऐनिकट	,,	,,	2,29485.00	35912.75
108.	धारू वाला बांध	घेवर	,,	8949.00	2985.00
109.	रूपनारायण की मेड़बन्दी ''तिलदह''	पालपुर	,,	885.00	885.00
110.	धोली खान वाला एनिकट	,,	,,	72299.00	24963.00
111.	रैबारी वाला जोहड़	घेवर	,,	1881.00	627.00
112.	बुधपुरा का जोहड़	बुधपुरा	,,	4392.00	1464.00
113.	गौरी बाबा का जोहड़	तिलवाड़	,,	3300.00	—
114.	घाटी वाला जोहड़	बरवा डूंगरी	,,	1372.00	457.00
115.	कोलियों वाला जोहड़	तिलवाड़	,,	3624.00	1208.00
116.	ग्राम सागर ''कूण्डरोली''	कूण्डरोली	,,	10700.00	4145.00
117.	भगीरथ का एनिकट	,,	,,	2582.00	432.00
118.	धहकारा का जोहड़	दौलतपुरा	,,	1732.50	577.50
119.	डाबड़ी वाली जोहड़ी	बीघोता	,,	2319.00	773.00
120.	काला बाबा का जोहड़	,,	,,	7460.00	2486.00
121.	काशीनाथ की जोहड़	बीघोता	,,	8360.70	3600.00
122.	सूली वाला खेत की मेड़बन्दी	,,	,,	1037.50	1037.50
123.	सूली वाला जोहड़	,,	,,	4666.00	1555.00
124.	बीगोता	,,	,,	3627.00	
125.	श्यामली का जोहड़	वीरपुर	,,	1181.00	394.00
126.	खजूर का वास का जोहड़	,,	,,	18169.75	5733.15
127.	नया जोहड़	दानपुर	,,	8205.50	2734.90
128.	चावल चाला जोहड़	पीपलहेड़ा	,,	882.00	294.00
129.	बीरम की माता वाला जोहड़	बहड़कोकलां	,,	1582.50	
130.	ब्राह्मणों का ढण्ड वाला जोहड़	,,	,,	4248.50	891.20
131.	माली वास वाली जोहड़ी	,,	,,	1833.00	611.00
132.	खटीकों वाली जोहड़ी	राजपुरा	,,	1629.25	543.30
133.	स्कूल पीछे का जोहड़	पिनान	,,	16165.75	5388.60
134.	बावड़ी वाला जोहड़	,,	,,	7730.10	2576.60
135.	चावण्ड वाली जोहड़ी	पीपलहेड़ा	,,	6630.00	2210.00
136.	भिया की वाली जोहड़ी	पाडली	,,	8576.00	2858.60
137.	नीम वाली जोहड़ी	,,	,,	1721.50	1350.00
138.	गोर्धनपुरा का जोहड़	उजाड़ का बास	,,	6381.00	2127.05
139.	खोड़ा वाली जोहड़ी	नागल पानीनाश	,,	1156.00	516.00
140.	धर्मपुरी का जोहड़	धर्मपुरी	,,	9782.00	3260.70
141.	रैवारी वाली जोहड़ी	राजपुर	,,	1322.00	441.00
142.	जोधावाला जोहड़	डांगरवाड़ा	,,	18282.00	6094.00
143.	चौबुर्जा वाला जोहड़	डगडगा	,,	4489.00	1496.45
144.	नया बास वाला जोहड़	सैथल	,,	1687.60	562.40

145.	कुकरवाड़ी का एनिकट	कुकरवाड़ी	,,	—	—
146.	पीलवाला एनिकट	,,	,,	37702.70	2/15.00
147.	टहला वाला बांध	टहला	,,	4400.00	
148.	रामजीलाल की तलाई	,,	,,	14500.00	
149.	भौरंगी बाबा का जोहड़	बिणजारी	,,	3150.00	1050.00
150.	बागासर की तलाई	देगां	जैसलमेर	7000.00	2340.00
151.	लूणात वाला बांध	बीरमा काणोद	,,	2475.00	825.00
152.	चाटलिया की नाड़ी	,,	,,	1050.00	1050.00
153.	दादियां में मेड़बन्दी का कार्य	दादिया	,,	14800.00	
154.	सवाई माधोपुर के कार्य		सवाई माधोपुर	2,82,666.75	47957.00
155.	टांका	दुहार माला	थानागाजी	91991.25	5941.75
156.	नीमड़ी वाली जोहड़ी	,,	,,	1612.50	537.50
157.	बड़ा जोहड़	,,	,,	1788.75	596.25
158.	भौरा का जोहड़ (दड़ाम वाला)	,,	,,	1957.50	652.50
159.	कूण्ड्डी वाला बांध	रह का माला	,,	7875.00	1260.00
160.	बंजड़ी वाली जोहड़ी	,,	,,	405.00	135.00
161.	धोकां वाला जोहड़	,,	,,	1485.00	495.00
162.	घाटी वाला जोहड़	,,	,,	42723.75	11441.25
163.	काला खोरा का जोहड़	तोलावास ([illegible])	,,	4128.60	-
164.	गौर वाला जोहड़	खोनगलहेडी	,,	29883.00	9091.20
165.	खान वाला बांध	नागलहेडी	,,	12991.00	12951.00
166.	पापडी वाला बांध	भूराला	,,	1,68988.75	21631.00
167.	झूंडा वाला बांध	बसई जोगियान	,,	1289.25	1289.25
168.	सुलतान की मेड़बन्दी	,,	,,	935.40	935.40
169.	रामकिशन का एनिकट	बाछड़ी	,,	2654.50	श्रम सामग्री
170.	बूज की तलाई	बूज	,,	225.00	75.00
171.	गुवाड़ा सोती	गुवाड़ा सोती	,,	15275.00	श्रम व सामग्री
172.	डोरोली वाला जोहड़	डोरोली	रैणी	12696.00	4232.00
173.	बदरी बांध	,,	,,	1871.25	1871.25
174.	भर्तृरी वाली जोहड़ी	,,	,,	7116.50	2372.25
175.	अलूका बांध	समरा	,,	4728.85	4728.85
176.	नीसा वाला बांध "राजाली"	,,	,,	4222.95	4222.95
177.	नया कुआ की मेड़बन्दी	,,	,,	1101.90	1101.90
178.	सौंडया की तलाई	,,	,,	708.75	236.25
179.	टगरिया नाएडा की तलाई	,,	,,	2750.00	
180.	काल्याकां की जोहड़ी	,,	,,	1528050	1528.50
181.	मोडाला का बांध	,,	थानागाजी	1528.50	1528.50

182.	कालूराम की मेड़बन्दी	,,	,,	2368.50	2368.50
183.	भोज्याकाला बांध	कालैड	,,	39510.00	3885.00
184.	ढड वाला जोहड़	,,	,,	4943.25	1644.75
185.	पीली तलाई	,,	,,	4038.00	1346.00
186.	मालियों का जोहड़	,,	,,	3004.00	1002.00
187.	खाती वाला जोहड़	,,	,,	12641.25	4213.75
188.	बेलाला बांध	,,	,,	12640.00	
189.	खड का नाला का बांध	माण्डलवास	राजगढ़	7108.00	3554.00
190.	बावड़ी की मेड़बन्दी भागला मीणा	,,	,,	701.00	351.00
191.	बावड़ी की मेड़बन्दी रामदयाल मीणा	,,	,,	1799.00	899.00
192.	धोली राड़ी का बांध	,,	,,	7795.00	3897.0017
193.	झाकडयां वाला बांध	,,	,,	11275.00	5638.00
194.	रास्ते के पास वाली मेड़बन्दी	,,	,,	2025.00	1012.00
195.	छिल्ला वाली मेड़बन्दी	मांण्डलवास	राजगढ़	1332.00	666.00
196.	बणिया का बड़ वाला बांध	गढ़	,,	13559.00	6779.00
197.	नया बांध का जोहड़	राजौर	,,	8457.40	1919.10
198.	स्कूल पीछे का जोहड़	काण्यास	,,	20675.85	6891.95
199.	राजाला बांध	कांसला	,,	25113.00	12556.00
200.	चूलसिद्ध वाली जोहड़ी	काकवाड़ी	,,	2800.80	933.60
201.	लांकाश वाला बांध	लांकाश	,,	4480.00	
202.	बनिया वाला जोहड़	बीलवा बिरकड़ी	,,	4247.00	1415.50
203.	नागल चन्देल का एनिकट	नागल चन्देल	,,	2340.00	
204.	पहाड़ नीचे की मेड़बन्दी	,,	,,	1165.00	1165.00
205.	नाले के ऊपर का चेकडेम	,,	,,	1035.00	345.00
206.	नया जोहड़	लोसल ब्राह्मण	,,	4530.40	1810.10
207.	भैरूंजी वाला नया जोहड़	,,	लोसल ब्राह्मण	राजगढ़	337.00
112.50					
208.	बयार वाला जोहड़	,,	,,	720.00	240.00
209.	बैठकाला बांध पिचिंग	लोसल गुजरान,	,,	19319.00	2855.00
210.	गोपाल गुजा का बांध	,,	,,	4403.00	4403.00
211.	रेती वाला बांध	,,	,,	3647.00	3647.00
212.	गंगोती वाला जोहड़	राडी नाडू	,,	3740.25	1246.75
213.	सोना वाला बांध	,,	,,	76989.00	5663.00
214.	नागल करना का जोहड़	नागल करना	,,	2070.00	690.00
215.	पचवीर वाला जोहड़	,,	,,	3218.00	1072.00
216.	दुर्गा माता का कुण्ड	बीघोता	,,	490.00	श्रम सामग्री
217.	देहरादास का जोहड़	डोरोली	,,	1595.00	583.75
218.	बावडी वाला जोहड़	,,	,,	800.50	267.00

219.	तेजा का बांध वाला जोहड़	रायसर	,,	13350.00	श्रम सामग्री
220.	पराग वाला जोहड़	सामरेड	थानागाजी	8694.75	2898.00
221.	गोपाल गुर्जर का एनिकट	बुजा	,,	1.56255.60	21971.25
222.	किशन का एनिकट	,,	,,	-	-
223.	घाटी तला का जोहड़	ढहकला	~~सजमढ़~~	13821.00	4607.00
224.	दडगस वाली जोहड़ी	दुहार माला	थानागाजी	2193.75	731.35
225.	~~काली खोल वाला जोहड़~~	~~सम्मसम्मर~~	राजगढ़	2227.00	2227.00
226.	,,	काली खोल		16,155.00	5,385.00
227.	पचवीर वाला जोहड़	काली पहाड़ी	,,	8,614,35	2,871,45
228.	गोर वाला जोहड़	गुरू गोठड़ी	,,	11,917.00	3,972.40
229.	चोरसी वाला जोहड़	सीकरियावास	,,	11,670.60	3,890.20
230.	मोरेड वाला जोहड़	मोरेडकला	,,	8,296.75	2765.60
231.	छाजवाला एनीकट	हाजीपुर	,,	4,980.00	4980.00
232.	मुडियॉ वाला जोहड़	मुडियां	,,	3,634.00	2,423.00
233.	शहिद वाला जोहड़	मिर्जापुर	,,	9,090.00	9,090.00
234.	मामचन्द वाला जोहड़	धोकड़ी	,,	1,795.50	1,795.50
235.	~~धाला~~ वाला जोहड़	चौमू	,,	3,375.00	1,125.00
236.	खोरा वाला जोहड़	बिलन्दी का वास	,,	15,364.00	5,121.40
237.	शास्त्री वाला जोहड़	चौमू	,,	5,852.00	5,852.00
238.	बगीची वाला जोहड़	उमरैण	,,	8,698.50	4,349.30
239.	राधेश्याम की मेड़बन्दी	मंदारी की ढाणी	,,	2,373.00	2,373.00
240.	मुखराम की मेड़बन्दी	मंदारी की ढाणी	,,	3,022.00	3,022.00
241.	रतनलाल की मेड़बन्दी	मंदारी की ढाणी	,,	1.046.50	1,046.50
242.	सैईया वाला जोहड़	केरवा	,,	15,147.50	5,049.00
243.	बड़ा बांस वाला जोहड़	सताना	,,	5,923.50	1,974.50
244.	बनी वाला जोहड़	बडेर का वास	,,	5,307.00	1,769.00
245.	~~बेला~~ वाला जोहड़	काली खोल	,,	7,273.00	2,424.00
246.	सरपंच वाला एनीकट	काली खोल	,,	7,425.00	7,425.00
247.	चूड़सिंह वाला जोहड़	खरखड़ा	,,	17,866.00	5,955.00
248.	बूर्जा वाला जोहड़	खरखड़ा	,,	12,000.00	4,000.00
249.	सीरावास वाला जोहड़	सीरावास	,,	5,696.00	1,899.45
250.	रामतलाई	खरखड़ा	,,	2,844.00	948.00
251.	काला पापड़ा वाला जोहड़	खरखड़ा	,,	10,064.75	3,355.00
252.	खारी वाला जोहड़	खरखड़ा	,,	4,000.00	1,250.00
253.	पचवीर वाला जोहड़	पथरोडा	,,	11,439.00	3,813.00
254.	चावंड वाला जोहड़	पथरोडा	,,	30,000.00	10,000.00
255.	तुलसी नाथ वाला जोहड़	कैरवावाली	,,	24,000.00	8,000.00
256.	ओडाल वाला जोहड़	कैरवावाली	,,	6,000.00	2,000.00

257.	बरवावाल वाला जोहड़	कैरवावाली	,,	13,603.00	13,603.00
258.	पठान वाला जोहड़	कैरवावाली	,,	5,559.00	1,853.00
259.	साहब खान का एनीकट	अकबरपुर	,,	27,425.00	27,425.00
260.	हलदीना वाला जोहड़	हलदीना	,,	15,000.00	5,000.00
261.	बास वाला जोहड़	बडेर		16,125.00	5,375.00
262.	रामतलाई	बीणक		950.30	300.00
263.	गांवआगला जोहड़	बेरला		1,131,00	350.00
264.	गांव आगला जोहड़	बेरला		12,087.65	4,029.25
265.	मूलचन्द की मेड़बन्दी	भडकोल		1,925.00	1,925.00
266.	रामखिलाड़ी की मेड़बन्दी	भडकोल		4,729.00	4,729.00
267.	रतनलाल वाला जोहड़	डडीकर		1,046.80	1,773.00
268.	पंचदेव वाला जोहड़	अधीरा		4,000.00	1,250.00
269.	बगीची वाला जोहड़	उमरैण		1,845.00	615.00
270.	बगीची छोटेलाल वाला जोहड़	उमरैण		3713.00	
271.	ढाकला वाला जोहड़	सताना		2,996.00	2,996.00
272.	पूर्णसिंह वाली मेड़बन्दी	खरखड़ा		767.80.00	767.80
273.	मदारी की ढाणी			2,228.00	2,228.00
274.	चौधरी वाला जोहड़	डगडगा			इन पर काम चालू है
275.	बनिया वाला जोहड़	डगडगा			,,
276.	नया वास का जोहड़	सैंथल			,,
277.	पदमा वाला जोहड़	सैंथल			,,
278.	हनुमानजी वाला जोहड़	सैंथल			,,
279.	बबुल वाला जोहड़	बल्लूपूरा			,,
280.	वाल का एनिकट	लादिया			,,
281.	कुनाल सागर	पाडली			,,
282.	बंदड़ी वाला जोहड़	डोरोली			,,
283.	ढण्ड वाला जोहड़	बहड़को			,,
284.	स्कूल वाला जोहड़	बिचपुरी			,,
285.	मरघट वाला जोहड़	डगडगा			,,
286.	फुटियाला बांध	कीलपुर खेड़ा			,,
287.	हनुमानजी की बगीची वाला जोहड़	डेरा			,,
288.	जोगियों की वास वाला जोहड़	डोरनेली			,,
289.	भूरा सिद्ध का बाघ	माचेड़ी			,,
290.	भूरिया के बास वाला एनिकट	इसवाना			,,

GOYAL ASHOK & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
JAIPUR

TARUN BHARAT SANGH, BHEEKAMPURA, KISHORI (ALWAR)

CONSOLIDATED RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.3.96

RECEIPTS	AMOUNTS	PAYMENTS	AMOUNT
To Opening Balance		By Honorarium & Stipend	5,19,716.00
		By Workshop/ Seminar/ Camps Exp.	7,25,771.50
Cash in hand 77,749.40			
Cash at Bank 4,28,553.37	5,06,302.77		
		By Awarness & Mobilisation of people	3,74,954.75
		By Administrative Exp.	62,000.00
To CONTRIBUTION FROM		By Johads/ Dam/ Physical work	45,16,666.75
Inter Co-operation Switzerland	17,18,000.00	By Travelling Exp.	1,25,317.84
ICCO. Netherlnd	57,96,160.00	By Training Material	24,846.00
S.D.C. Embassy of Switzerland	10,72,000.00	By Honorarium to Resources person	51,055.00
OXFAM India Trust	6,05,225.00	By Documentation Exp.	25,302.50
GTZ New Delhi	2,83,000.00	By Books Exp.	44,900.00
Central Social WelfareBoard	38,809.00	By Stationery & Postage	4,829.25
Edgeworth Trust	50,000.00	By Fodder Development	45,109.00
Lok Zumbish Parisad	1,50,000.00	By Machine Rapair & Maintenance	77,121.00
To Donations	84,816.00	By Disel Exp.	76,296.95
To Misc./ Other Receipts	16,668.00	By Loadging & Boarding Exp.	3,44,528.75
To Tractor Income	1,90,929.00	By Farming Exp.	6,251.00
To Loan Return from		By Donation	15,126.00
Development Alternative	14,550.00	By Wages Exp.	40,356.00
To Bank Interest	6,921.00	By Fuel Timber Exp.	15,313.00
AMOUNT CHARGED FROM VARIOUS		By Electric Charges	14,293.00
PROJECT		By Award	5,710.50
Food arrangement	9,59,907.60	By Plantation Exp.	7,537.00
Boarding	1,43,500.00	By Apiculture Exp.	15,000.00
Transporation	77,750.00	By Legal Exp.	4,385.00
Medicine	77,325.00	By Insurance Exp.	20,915.00
Rent of TV, VCR	7,000.00	By Audit Fee	4,000.00
Income from Documentation	20,000.00	By Bank Charges	4,078.00
Administrative Receipts	1,68,365.00	By Contigencies Exp.	3,00,587.80
To Sale of Books	1,03,600.00	By Increase in loan to workers & Oth.	1,05,210.00
		By Nutrition	1,13,784.00
		By Atmosphere Creation	3,218.65
		By Maping	31,590.37
		By Instalation of Extention Center	23,809.00

By Women Group Training	17,448.00
By Doctors Honorarium	20,500.00
By Maintenence of Jeep/	
Truck/ Motor Cycle etc.	2,54,413.35
By Health Education & Family Welfare	59,722.00
By Monitoring & Case Study	2,387.00
By Roofing Material	1,68,002.00
By Overheads	3,53,916.40
By Entry Point Activities	1,42,290.00
By Medicines	1,61,051.25
By Beding Exp.	15,502.50
By Capital Expenditure	
Motor Cycle	1,20,000.00
Land & Building	3,39,314.75
Gas Connection	8,092.80
Utensils	5,252.84
Tractor Trolly	37,000.00
Fan	729.25
Gyser	3,735.00
Camera	7,250.00
Furniture	29,210.80
Machinery	25,831.00
Computer	1,62,188.00
Mixer	3,200.00
Spining Machine	65,000.00
By Closing Balance	
Cash in hand	16,969.15
Cash at Bank	
Gramin Bank, Kishori	6,51,239.50
SBBJ, Thangazi	671.67
PNB, Umrain	2,00,010.00
The Bank of Raj. Ltd.	9.05,021.50
Fixed Deposit	5,68,000.00
1,20,90,828.37	**1,20,90,828.37**

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE
FOR GOYAL ASHOK & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

JAIPUR.
DATED : 27 MAY 1996 (A. K. GOYAL)
PROPRIETOR

FOR TARUN BHARAT SANGH

GENERAL SECRETARY

1996-97 का कार्य विवरण

संस्था के कार्य : इस वर्ष संस्था ने शैक्षणिक कार्यक्रम, स्वस्थ्य कार्य, रचनात्मक कार्यक्रम, बाढ़ राहत कार्य किये हैं। सेवा, शिक्षा (चेतना) के कार्यों द्वारा ग्रामसभा का संगठन मजबूत करके ग्राम स्वावलम्बन व ग्राम स्वराज्य के लिए काम किया। इस वर्ष 359 बांध जोहड़ संस्था के सहयोग से तथा लगभग 300 जोहड़/ बांध पूर्ण श्रमदान से बनाये गये हैं।

'क' शैक्षणिक कार्यक्रम : संस्था इस क्षेत्र की जनता को शिक्षित व जागरूक करने का कार्य गत वर्षों से करती आ रही है। इस वर्ष भी संस्था ने विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम किये हैं। जिससे यहां की जनता में एक प्रकार की नई जागृति आई है। यहां के लोग स्वाभिमान के साथ जीवन जीना सीख गये हैं। जहां कहीं अन्याय होता है, उसका प्रतिरोध करने के लिए पूरा का पूरा गांव एक-साथ हो जाता है। यही जन जागृति, लोक शिक्षण की पहचान होती है। संस्था ने शैक्षणिक कार्यक्रमों को निम्न रूपों में यहां की जनता के बीच किया हैं :

(1) बाल शालाएं, शिशु पालनागृह कार्यक्रम : ये कार्यक्रम, अलवर जिले की राजगढ़, उमरैण, थानागाजी तहसील में ग्रामीण कामकाजी महिलाओं के लिए व उनके बच्चों के लिए चलाये हैं। इस कार्यक्रम में 14 शिशुपालना केन्द्र चलाये गये हैं, जिसमें 350 बालक, बालिकाओं के लिए शिक्षा व पोषाहार, दवाई, मनोरंजन के लिए खिलौनों की व्यवस्था की गई। बच्चों की देखभाल के लिए आया तथा शिक्षा के लिए पढ़े-लिखे युवाओं को रखा गया है। बालिकाओं को शिक्षित करने की दृष्टि से अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र तथा सहज शिक्षा केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। इन केन्द्रों में 720 बालिकाओं को शिक्षित किया जा रहा है।

(2) चर्चा बैठकें : संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम विकास के लिए प्रतिदिन लगभग 50 गांवों में बैठकें होती हैं, जिसमें गांव को आगे बढ़ाने के लिए गहराई से बातचीत होती है। इसी बातचीत के माध्यम से गांव में कार्य करने की दिशा स्पष्ट होती है। अभी यह कार्य 460 गांवों में चल रहा है। संस्था के कार्यकर्त्ता गांव-गांव जाकर योजनाबद्ध तरीके से गांव में बैठकर चर्चा करते हैं। इसी का परिणाम है, अब लोग स्वयं अपने जल, जंगल संरक्षण कार्य करने लगे हैं।

(3) लेखन व दस्तावेजीकरण प्रकाशन : आज के युग में समाज को शिक्षित करने, नई दिशा दिखाने में लेखन का महत्वपूर्ण स्थान है। संस्था द्वारा प्रति माह गांव से संबंधित विषयों पर लेख लिखे जाते हैं, तथा समाज के लिए उन्हें समाचारपत्रों व पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से जनता के बीच पहुंचाया जाता है। इस वर्ष संस्था द्वारा पर्यावरण, बाढ़ से मुक्ति, सामाजिक अन्याय के विषय में लेख लिखे गये हैं। संसाधनों का लोकाधारित प्रबन्ध पर विशेष जोर रहा है।

इस वर्ष किये गये कार्यों की दूसरों को जानकारी देने की दृष्टि से तथा दूसरे लोग भी इससे प्रेरित हो सकें इस प्रकार के कार्यों में संलग्न होकर संस्था ने अपने कार्यों का अध्ययन किया तथा दूसरों से भी इस कार्य में मदद लेकर दस्तावेजीकरण किया है। इस वर्ष 6 पुस्तकें प्रकाशित की गईं :

1. बाढ़ विनाश से मुक्ति तक अलवर-भरतपुर की 1996 की बाढ़ का अध्ययन
2. जलागम विकास के आयाम
3. भारतीय आस्था एवं पर्यावरण रक्षा
4. अरवरी नदी मृत्यु से पुनः जन्म तक
5. सेहत में स्वावलम्बन
6. बाढ़ पर श्वेतपत्र (अंग्रेजी)

(4) महिला जागृति शिविर : सही दिशा में बदलाव हेतु महिलाओं का सहयोग अति आवश्यक है। महिलाओं के सहयोग के बिना व्यक्ति, परिवार, समाज, देश उन्नति नहीं कर सकता। समाज के सभी विकास कार्यों में महिलाओं की भूमिका अहम होती है। इस दृष्टि से संस्था ने इस वर्ष विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से 45 महिला जागृति शिविर आयोजित किये हैं। इन शिविरों में महिलाओं को साफ-सफाई व रोजमर्रा के कार्यों से संबंधित विषयों पर बातचीत के अलावा ग्राम स्वावलम्बन के सामाजिक कार्यों में भाग लेने पर अधिक बल दिया गया है। इस क्षेत्र की महिलाओं ने संस्था के साथ जुड़कर अपने-अपने गांव में शिक्षा, जागृति, जल, जंगल, जमीन के संरक्षण में अपनी पूरी भागीदारी निभाई है। इससे एक नई उत्साहवर्धक लहर चल पड़ी है।

(5) युवा रचनात्मक कार्यकर्ता प्रशिक्षण : संस्था द्वारा दो प्रकार के रचनात्मक कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जाते हैं : (1) समाज के उत्थान में लगे युवाओं की समझ विकसित करना (2) रचनात्मक युवाओं की पहचान करके समाज कार्य में लगाने हेतु प्रशिक्षण। संस्था यह मानती है कि जिस गांव, समाज तथा देश की युवा शक्ति समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को गहराई से समझती है वह गांव, समाज तथा देश उन्नति करता है। संस्था ने पिछले 12 वर्षों से युवाओं के लिए शिविर सम्मेलन आयोजित किये हैं। इस वर्ष भी संस्था ने इस क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं के लिए समाज में सामलाती जीवन शैली को पुन: स्थापित करने की दृष्टि से युवा रचनात्मक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये हैं जिसमें गांव के युवाओं को सामलात देह के संरक्षण करने और उनके विकास के लिए प्रबन्ध व तकनीकी जानकारी देकर स्वयं गांव में कार्य करने के लिए तैयार किया है। प्रशिक्षण प्राप्त युवा अपने-अपने गांव व आसपास के गांव में सामलात देह के प्रबन्धन व संवर्धन का कार्य करते हैं। व इस हेतु दूसरों को प्रेरित करते हैं। इस वर्ष संस्था ने 35 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये हैं, जिसका समाज में समाज के रचनात्मक कार्यों पर अच्छा प्रभाव रहा है।

(6) कार्यशाला एवं संगोष्ठी : वैचारिक आदान-प्रदान की दृष्टि से तथा समझ विकसित करने के उद्देश्य से पर्यावरण खनन मजदूरों की समस्या व अलवर-भरतपुर में आई भयावह बाढ़ से बचने के उपायों को खोजने आदि विषयों पर तरुण आश्रम, भीकमपुरा, वाड़ी, करौली, दिल्ली, अलवर, भरतपुर, कामां में कार्यशालाएं आयोजित की गई, जिनमें देश के बुद्धिजीवियों, ने संस्था के कार्यकर्ताओं ने अलवर, भरतपुर जिले, राज्य सरकार तथा भारत सरकार के अधिकारियों, ग्रामीण जनता ने भाग लिया है। इन संगोष्ठियों के प्रभाव बहुत ही उत्साहवर्धक रहे।

सरकारी तन्त्र ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अपनी कार्य-योजना बनाकर ग्रामीण जनता के सहयोग पर कार्य प्रारम्भ करने की मंशा जाहिर की और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता के रूप में लेकर कार्य भी चालू किये हैं। प्रशासन को चुस्त बनाये रखने के लिए सरकारी विभागों से भी सम्पर्क बनाये रखा। इस वर्ष संस्था ने 17 कार्यशालाएं व संगोष्ठी आयोजित की हैं।

(7) ग्रामीण जन-जागृति शिविर : जन-जागृति शिविरों के माध्यम से संस्था समाज को निर्भयता, ग्राम्य स्वावलम्बन हेतु अनुशासन व आपसी सहयोग से जन-अभिक्रम को बढ़ाती है , जिससे गांव, समाज अपनी शक्ति का भान कर सके और अपने संसाधनों के विकास के साथ-साथ अन्याय का प्रतिकार कर सके।

त.भा.सं. का यह मानना है कि समाज में आज निर्माण की प्रक्रिया धीमी पड़ी है। इसको तेज करने के लिए सरकारी योजनाओं को ग्राम के सामाजिक कार्यों के लिए लाना होगा। इसके साथ-साथ समुदाय भी अपने संसाधनों के विकास के लिए, एकजुट होकर प्रयासरत रहे, अन्याय के प्रति अहिंसक संघर्ष करते रहे हैं। लोक संघर्षों से व्यवस्था संवेदक बनती है। संवेदक और सशक्तीकरण से ही निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है। यही प्रक्रिया समाज में समरसता लाती है। इस वर्ष संस्था ने 68 शिविर तथा चार सम्मेलन किये हैं।

(8) ग्राम सभा तथा लोकसमिति पदाधिकारियों का प्रशिक्षण : गांव द्वारा बनाई गई ग्राम सभा, लोक समिति, प्रेरक दल, तथा ग्राम विकास समिति के सदस्यों को संस्था द्वारा गांव के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, गांव के संसाधन के विकास व संवर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है तथा ग्रामवासी स्वावलम्बी बनें , गांव अपनी योजना बनाकर गांव का विकास करें। इस वर्ष संस्था ने 35 गांव के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया है।

(9) शैक्षणिक भ्रमण : संस्था द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों को और अधिक गति से विस्तार करने के लिए जहां पर कार्य प्रारम्भ करना होता है, उस क्षेत्र के लोगों को जानकारी के लिए अपने पुराने काम दिखाये। और मौके पर ही अन्य जानकारी दी गई है।

कार्यक्षेत्र की जनता से भी सीधी बातचीत कराई है, जिससे नये क्षेत्र के लोगों में विश्वास पैदा हुआ है और वे भी अपने गांव में कार्य करते हैं। संस्था के कार्यकर्ता भी अपनी समझ को और अधिक विकसित करने के लिए अन्य जगहों पर जाते हैं, जहां पर समाज के लिए अच्छे कार्य हुए हों, कार्यकर्ता राजस्थान व अन्य प्रान्तों में भी गये हैं, जहां से भी कार्यकर्ताओं को उपयोगी जानकारी मिलती है, उसे अपने अमल में लाते हैं, जिससे कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता बढ़ती है और संस्था व समाज का कार्य भी तेज गति से व अच्छा होता है। इस वर्ष राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि प्रांतों का भ्रमण किया गया। उक्त सभी राज्यों से लोगों, सरकारी अधिकारियों ने हमारे क्षेत्र में आकर हमारा काम भी देखा।

(10) अन्याय के प्रतिकार की तैयारी : संस्था का यह अनुभव है कि, जहां पर समाज के लिए सामाजिक कार्य किये जाते हैं, वहां पर गांव स्तर के नेता, क्षेत्रीय स्तर के नेता, राजनेताओं के साथ-साथ सरकारी तन्त्र तरह-तरह की बाधाएं उत्पन्न करते हैं, स्पष्ट साफ-सुथरी दृष्टि से किये जा रहे सामाजिक कार्यों से ये लोग सीधे प्रभावित होते हैं। इनके स्वार्थों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। जब गांव के लोग एकजुट हो जाते हैं और अपना कार्य स्वयं करते हैं तो वह कार्य इन नेताओं व सरकारी तन्त्र की आंख की किरकिरी बन जाते हैं। संस्था ने 12 वर्ष के दौरान यह अनुभव किया कि, सामाजिक कार्यों में स्वार्थी लोगों द्वारा बाधाएं पैदा की जाती रही हैं। संस्था ने इन बाधाओं को प्रतिवर्ष अहिंसक संघर्ष करके दूर किया है और गांव वालों को भी अहिंसक रूप से तैयार किया है। अन्याय के प्रतिकार के लिए यह जरूरी नहीं है कि, व्यक्ति, समाज पढ़ा-लिखा हो। अनपढ़ समाज का समझदार व जागरुक होना जरूरी है। इस क्षेत्र की ग्रामीण जनता पर नीचे से ऊपर तक विभिन्न विभागों द्वारा जैसे सिंचाई विभाग, वन विभाग, खनन् विभाग, मत्स्य विभाग, पुलिस, राजनेता व खान मालिकों के द्वारा कार्यों में विरोध किया है और तरह-तरह के षड्यन्त्र रचे जाते रहे है। यहां की ग्रामीण अनपढ़ जनता ने सरकारी तन्त्र की कारगुजारी व राजनेताओं के झूठे आश्वासनों का भंडाफोड़ किया है। इस सब में अन्याय के प्रतिकार के लिए संस्था ग्रामीण जनता के साथ रही है।

इस वर्ष मत्स्य विभाग ने ग्राम हमीरपुर के लोगों द्वारा किये जा रहे जल संरक्षण के कार्यों पर अपना कब्जा कर लिया, जबकि इन कार्यों में सरकार का एक भी पैसा नहीं लगा था। गांव वालों ने अपनी मेहनत की कमाई से अरवरी नदी पर एनीकट बनाकर नदी को पुनर्जीवित किया है। नदी में प्राकृतिक रूप से मछलियाँ उत्पन्न हो गई हैं। गांव वाले मानते हैं कि यह कार्य भगवान ने हम सभी ग्रामवासियों से करवाया है। जो बड़े पुण्य का कार्य है। इन मछलियों को गांव का बच्चा,बूढ़ा, युवा, महिलाएं देख-देख कर आनंदित होते हैं। गांव वालों को मछलियों में मत्स्य भगवान के दर्शन होते हैं। गांव वाले इन्हें अपने प्राणों से भी अधिक मानते हैं। दूसरी तरफ संवेदनशून्य मत्स्य विभाग इन्हें राज्य की सम्पत्ति मानता है। इसी के तहत विभाग ने माह नवम्बर, 96 में इन मछलियों को पकड़ने के लिए ठेका दे दिया। विभाग ने गांव वालों से एक बार भी सम्पर्क नहीं किया। अलवर में बैठे-बैठे यह सभी कार्यवाही हो गई। गांव के एक भी आदमी को इस विषय में कोई जानकारी नहीं थी । जब ठेकेदार अपने सहयोगियों के साथ मछली पकड़ने के सामान को लेकर गया, तो गांव वालों को आश्चर्य हुआ। गांव वालों ने आपस में बातचीत कर कहा कि यहां एनीकट नहीं था, पानी नहीं था तब मत्स्य विभाग कहां था ? एनीकट हमारा है। पानी हमारा है। मछली हमारी है। हम मछली नहीं पकड़ने देंगे। सभी ने मछली पकड़ने से मना कर दिया तथा ठेकेदार का सामान भी अपने कब्जे में कर लिया। ठेकेदार ने गांव वालों को डराया कि मैंने सरकार से ठेका लिया है। मैं तुम्हें जेल करवा दूंगा। ठेकेदार ने प्रतापगढ़ थाने में संस्था के कार्यकर्ता व गांव वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। उधर मत्स्य विभाग ने अपने तरीके से गांव के लोगों को डराया। पुलिस ने अपनी तरह से जाल फैलाया। थानागाजी के तहसीलदार ने गांव वालों को अपने पद की ताकत के बल से डराया। पूरा का पूरा सरकारी तन्त्र हमीरपुर के लोगों व संस्था के कार्यकर्ताओं को तरह-तरह से भयभीत करने लगे। इस सब के बावजूद जनता की जीत हुई।

स्वास्थ्य कार्यक्रम : संस्था ने इस क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यक्रम से ही अपनी शुरुआत की थी। स्वास्थ्य कार्यक्रम में गांव की सफाई, कूड़ा-कचरा का सही उपयोग, खान-पान में सुधार, व्यक्तिगत सफाई इस सब के लिए संस्था समय-समय पर प्रतिवर्ष महिला स्वास्थ्य शिविर, देशी-जड़ी बूटियों का उपयोग प्रशिक्षण, दाई प्रशिक्षण के साथ-साथ आयुर्वेद आज की जरूरत है पर सम्मेलन आयोजित किये हैं। इस वर्ष भी संस्था ने देशी जड़ी-बूटियों से उपचार हेतु 6 प्रशिक्षण, एकदिवसीय चार महिला शिविर आयोजित किये। इस क्षेत्र की देशी औषधियों की पहचान पहाड़ों में व गांव के आसपास क्षेत्र में ही कराई गई और उनका मौके पर ही उपयोग व प्रभाव भी दिखाया

गया। जिससे प्रशिक्षणार्थियों को देशी जड़ी-बूटियों में विश्वास पैदा हो सके और वे गांव वालों को सही समय पर गांव में ही पीड़ित व्यक्ति की सहायता कर सकें जिससे मरीज को स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ आर्थिक खर्च से भी बचाया जा सके। इस पर 42 गांवों के 42 युवाओं ने तथा 70 गांव की 70 महिलाओं ने भाग लिया। अब ये प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने गांव में देशी जड़ी-बूटियों के उपयोग से गांव को स्वास्थ्य लाभ दे रहे हैं। संस्था भी इन्हें अपने स्तर से देशी दवाई बना कर देती है जो गांव वालों को नि:शुल्क मिलती है।

(1) भू-संरक्षण एवं जल संरक्षण कार्य : यह कार्य संस्था की मुख्य गतिविधि रही है। अत: इस वर्ष संस्था ने जलस्रोतों के संवर्धन व विकास का कार्य व्यापक पैमाने पर किया है। क्षेत्र की ग्रामीण जनता ने इस कार्य में अपना पूरा सहयोग दिया है। एक भी कार्य गांव के सहयोग के बिना नहीं बना है। ये सभी कार्य गांव वालों ने अपनी सोच-समझ के अनुसार बनाये हैं। संस्था ने तो केवल अपना सहयोग उन्हें दिया है।

(2) सैन्द्रीय खाद का प्रशिक्षण एवं प्रसार : जमीन को और अधिक उपजाऊ बनाने व भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाये रखने के लिए सैन्द्रीय खाद अत्यन्त महत्वपूर्ण है। गोबर व कूड़ा-कचरा, खरपतवार से यह खाद बनाया जाता है, इसे बनाने की कई विधियां हैं। किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार उन विधियों से अपने पशुओं के मलमूत्र से कूड़े-कचरे को इकट्ठा करके खाद बना सकता है। खाद बनाने के लिए किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे गांव के किसान अपना सैन्द्रीय खाद बनाकर उपयोग कर रहे हैं रासायनिक खाद पर निर्भरता कम हुई। आर्थिक लाभ भी हो रहा है। जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ रही है।

सैन्द्रीय खाद निर्माण के लिए 98 गांवों में प्रदर्शन किये गये। गांव के शिविर में चर्चाएं की गईं। अब किसान भी स्वयं रासायनिक खाद की बढ़ती हुई कीमत के कारण, देशी खाद बनाने की तरफ झुके हैं और सैन्द्रीय खाद को धीरे-धीरे अपनाने लगे हैं।

(3) देशी बीजों का संरक्षण : संस्था देशी बीजों के संरक्षण व उपयोग के लिए इनके प्रचार -प्रसार का कार्य बहुत तेजी से कर रही है। क्षेत्रीय जनता भी अपनी खेती में देशी बीजों का उपयोग कर रही है तथा उनके संरक्षण के लिए भी प्रयासरत है। सब्जी, फल, घास, छायादार पेड़, अनाज, जिससे चारा भी अधिक मिलता है। इसका उपयोग बढ़ रहा है। कुछ गांवों में 630 वर्ष पुराना मक्का का बीच बचा हुआ है। जो बहुत ही उत्पादक है।

(4) अन्न भण्डारण पात्रों का वितरण : किसानों को साल-भर खाने के लिए अन्न रखने हेतु तथा अगली फसल के बीज की सुरक्षा के लिए संस्था ने टीन की कोठियों का वितरण किया है। इस अभियान का जनता में व्यापक असर पड़ा है। अब किसान स्वयं बाजार से अन्न सुरक्षा के लिए पात्र ले रहे हैं। अपने अनाज की सुरक्षा कर रख रहे हैं। इस वर्ष संस्था ने 1000 पात्रों का वितरण किया है।

(5) पशु चिकित्सा एवं पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम : यह क्षेत्र कृषि के साथ-साथ पशु पालक क्षेत्र है। यहां के ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक परिवार में पशुपालन होता है। परिवार का 55% आर्थिक स्रोत पशुपालन है। यहां पर कुशल पशु चिकित्सकों का अभाव है, जिससे पशुओं की बीमारियों के कारण पशु हानि बहुत होती है। पावड़ी परियोजना के अन्तर्गत हमने गांव-गांव में चिकित्सक तैयार करने की योजना चालू की है। अब तक इस क्षेत्र में 6 चिकित्सक तैयार किए गए हैं, जो अपने-अपने गांव क्षेत्र में पशु चिकित्सा कर रहे हैं।

(6) जमीन सुधार कार्यक्रम : संस्था के द्वारा बंजर भूमि को कृषि योग्य भूमि बनाने के कार्य को देख कर यहां क्षेत्र की जनता ने अपनी-अपनी बंजर पड़ी जमीनों को सुधारा है। उसमें खेती करने लगे हैं। जनता का खेती के प्रति रुझान बढ़ा है। जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

(7) वानिकी व वृक्षारोपण कार्यक्रम : गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था ने लगभग 75 गांवों में ईंधन, चारा, छायादार वृक्षों के साथ-साथ फलदार पौधे वितरण किये थे। गांव की जनता को भविष्य में मौसमी फल मिलने लगेंगे। जिससे समाज का स्वास्थ्य सुधरेगा। आर्थिक लाभ भी होगा तथा साथ-साथ गांव का व इस क्षेत्र का पर्यावरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। भविष्य में और सुधार आएगा, ऐसा विश्वास है।

(8) महिला रोजगार कार्यक्रम : गरीब व पिछड़े वर्ग की दृष्टि से तथा गांव की स्वावलम्बी व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए खादी वस्त्रों के निर्माण से उन्हें रोजगार देने हेतु सूत कताई, बुनाई, फर्श बुनाई कार्य किया गया। इससे गांव की महिलाओं को रोजगार

उपलब्ध कराया गया। 15 बुनकरों को रोजगार दिया। महिला रोजगार से दस हजार मीटर वस्त्र तैयार हुआ है।

(9) खान मजदूरों की वैकल्पिक रोजगार की खोज व समस्या : खान मजदूरों को संगठित करने के लिए उनमें चेतना जागृति तथा संगठन निर्माण का कार्य करौली, वाड़ी, बसड़ी, जमुवारामगढ़, निम्बाहेड़ा क्षेत्र की खदानों में काम करने वाले मजदूरों के शिविर आयोजित किये। इन शिविरों में खनन् से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति जागरूक किया तथा लोगों को संगठित भी किया। जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में कुछ समस्याओं का समाधान भी हुआ है, लोगों ने खनन रोकने के लिए न्यायालय में एक जनहित याचिका भी दायर की तथा खानों के विकल्प के रूप में जोहड़ निर्माण के महत्व को समझकर खनन् क्षेत्र में जल संरक्षण का कार्य किया जिससे परिस्थितियों में सुधार आया है। खान मजदूर अपना भला-बुरा समझने लगे हैं और गांव के विकास कार्य में भी खान मजदूर अपना पूरा सहयोग देते हैं। इस वर्ष खान मजदूरों की समस्याओं पर दो सेमीनार भी आयोजित किये, जिसमें देश के बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। सेमीनार में कई समाधान भी सुझाए गए। खान क्षेत्र की महिलाओं में जन जागृति का अच्छा प्रभाव रहा है।

बाढ़ राहत कार्यक्रम : पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर जिलों में जून 1996 के अन्तिम सप्ताह में भयावह बाढ़ आई थी, जिससे दोनों जिलों में जन-धन पशु खेती में करोड़ों रुपयों का नुकसान हो गया था। इस स्थिति में तरुण भारत संघ ने अपने प्रयासों से व आक्सफेम इण्डिया ट्रस्ट अहमदाबाद की आर्थिक मदद से बाढ़पीड़ितों की मदद की। इस कार्य में संस्था के कार्यकर्ताओं ने बहुत ही कठिन परिस्थितियों में राहत कार्य किये।

बाढ़ राहत कार्यों के लिये संस्था द्वारा बाढ़-पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए टीन शैड, त्रिपाल, कपड़े, भोजन, अनाज भण्डारण पात्र, दवाईयां आदि भौतिक रूप से दिये गये तथा मानवता के नाते संस्था के कार्यकर्ताओं ने बाढ़पीड़ित लोगों के साथ रहकर लोगों को भावनात्मक रूप से प्राकृतिक विपदा से निबटने हेतु सान्त्वनात्मक कार्य किये।

संस्था के कार्यकर्ताओं ने विषम व कठिन परिस्थितियों में घर-घर जाकर सर्वे किया और वास्तविक रूप में अत्यधिक प्रभावित लोगों की मदद की। अलवर, भरतपुर क्षेत्र में लगभग 57 हजार प्रभावित जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं दीं तथा 1097 परिवारों में बाढ़ राहत के तहत प्राप्त सामग्री का लाभ पहुंचाया। बाढ़ राहत कार्य में स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं व सरकारी संस्थाओं ने पूरा सहयोग किया। कामां- भरतपुर में राजस्थान सरकार द्वारा संचालित लोक जुम्बिश परियोजना के कार्यकर्ताओं ने व आंगनबाड़ी के कार्यकर्ताओं ने संस्था के बाढ़ राहत कार्यों में अपना पूरा सहयोग दिया।

संस्था ने अलवर-भरतपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को देखा व समझा। माह अक्टूबर में विशेषज्ञों द्वारा बाढ़ आने के कारणों का पता लगाकर श्वेतपत्र प्रकाशित किया।

संस्था द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का देशी-विदेशी संस्थाओं द्वारा भ्रमण : संस्था द्वारा कराये जा रहे ग्राम स्वावलम्बन की दिशा में जल, जंगल, जमीन के संवर्धन कार्यों को देखने-समझने के लिए इस वर्ष राज्य व अन्य जिलों की संस्थाओं के साथ गांव के लोगों ने देखा-समझा और अपने क्षेत्र में करने का मन बनाया। इसके साथ-साथ देश के अन्य प्रांतों उ.प्र., म.प्र., हरियाणा, कर्नाटक, गुजरात के स्वयंसेवी संगठनों के साथ सरकारी लोगों ने भी संस्था के कार्यों को देखा व सराहा। अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी संस्था के कार्यों का अवलोकन किया।

नये केन्द्र का निर्माण : संस्था ने इस वर्ष नये केन्द्र सवाई माधोपुर, दोसा जिले में बनाये हैं। सवाई माधोपुर के रिवाली गांव में तथा दोसा के तितरवाड़ा गांव में केन्द्र का निर्माण किया है। इनके साथ-साथ करोली, उदयपुर, जयपुर, भरतपुर में भी विस्तार केन्द्र के रूप में कार्य चालू किया है।

तरूण भारत संघ के कार्यों का विवरण 1996-97

क्र. सं.	कार्य का नाम	संस्था	स्थान/क्षेत्र	सहयोगी संस्था
1.	जल संरक्षण संरचना निर्माण	359 बांध/ जोहड़	अलवर, जयपुर, दौसा, उदयपुर	इक्को आई.सी. सीडा जी. टी. जेड.
2.	स्वास्थय सेवा परम्परागत चिकित्सा प्रशिक्षण	42 गांव	थानागाजी, राजगढ़, उमरैण अलवर	इक्को
3.	सबको शिक्षा	51 गांव	किशोरी संकुल, थानागाजी	लोक जुम्बिश परिषद्
4.	शिशु पालना गृह	14 गांव	राजगढ़, थानागाजी	केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड
5.	जलागम विकास अजबगढ़	56 गांव	अजबगढ़, थानागाजी क्षेत्र	एस.डी.सी.राज. सरकार
6.	सामलात देह प्रशिक्षण	15 गांव	थानागाजी, राजगढ़	आई.सी.
7.	वृक्षारोपण	70 गांव	थानागाजी, राजगढ़	एस.डी.सी. संस्थागत
8.	बाढ़ राहत	75 गांव	अलवर, भरतपुर	आक्सफेम इंडिया ट्रस्ट
9.	देशज बीज संरक्षण	120 गांव	अलवर, सवाईमाधोपुर	संस्थागत
10.	संयुक्त वन प्रबंध	5 गांव	अलवर	संस्थागत
11.	स्वरोजगार कताई बुनाई	10 गांव	थानागाजी	संस्थागत
12.	सैन्द्रीय खाद निर्माण/ प्रशिक्षण	98 गांव	थानागाजी, राजगढ़, अलवर, लक्ष्मणगढ़, रैणी, अलवर	संस्थागत
13.	पशुनस्ल संरक्षण	जखराना नस्ल	थानागाजी	संस्थागत, एस. डी. सी.
14.	पर्यावरण चेतना	300 गांव	अलवर	संस्थागत, ईक्को, सीडा, जी.टी.जेड., आई.सी. आक्सफेम
15.	महिला स्वास्थ्य चेतना अभियान	26 गांव	थानागाजी	एस.डी.सी., लोक जुम्बिश
16.	अन्न भंडारण हेतु कोठी निर्माण		1000	थानागाजी, राजगढ़ एस.डी.सी. आक्सफेम
17.	जन चेतना व जन संगठन	45 महिला शिविर, 35 युवा संगठन, 17 कार्यशाला संगोष्ठी, 68 जन जागृति शिविर, 35 गांव के पंचायत पदाधिकारियों का प्रशिक्षण व शैक्षणिक भ्रमण	अलवर, जयपुर, सवाईमाधोपुर	इक्को, आई.सी., सीडा जी.टी.जेड., एस.डी.सी. आक्सफेम इण्डिया ट्रस्ट, लोक जुम्बिश, संस्थागत

वर्ष 1996-97 के अन्तर्गत तरूण भारत संघ द्वारा कराये गयें जल संरक्षण कार्यों का विवरण

क्र.सं.	कार्य का नाम	गांव का नाम	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का श्रमदान
1.	रामजीलाल की मेड़बन्दी	बिगोता	1388.00	1388.00
2.	रमसी के खेत की मेड़बन्दी	,,	1,499.00	1,499.00
3.	घाटी भैरु वाला जोहड़	,,	1,650,00	550.00
4.	महादेव वाला जोहड़	,,	3,177.00	1,059.00
5.	भैरू वाला जोहड़	,,	12,946.00	4,315.00
6.	देवरा वाली जोहड़ी	,,	8,106.00	2,702.50
7.	सूली वाला जोहड़	,,	900.00	300.00
8.	बारु का वाला जोहड़	,,	3364.50	1535.00
9.	कारड़ा का जोहड़	,,	1320.00	440.00
10.	रामकंवर की मेडबन्दी	,,	2,863.00	2,863.00
11.	जन्सी मीणा की मेड़बन्दी	,,	6,500.00	6,500.00
12.	नरवास वास वाली मेड़बन्दी	,,	43,950.00	3,093.75
13.	बन्धे वाले खेत की एनीकट	,,	3.097.75	3,097.75
14.	बाईसा वाला बांध	,,	6,615.00	6,615.00
15.	रोमडा का एनीकट	,,	5,100.00	5,100.00
16.	भोमिया वाला बांध	,,	14,087.50	1,997.00
17.	सड़क के पास वाली मेड़बन्दी	माण्डलवास	4,189.00	4,189.00
18.	लाडया की मेड़बन्दी	,,	2,681.50	2,681.50
19.	सौना वाला बांध	नाडू	20,500.00	—
20.	सल की तलाई	कालैड	7684.50	2561.50
21.	छीला वाला बांध	,,	4,765.50	4,765.50
22.	भोज्याकाला एनीकट	,,	2,885.00	2,885.00
23.	बाण्डा वाला बांध	,,	21,314.00	21,314.00
24.	बैरा वाला बांध	कालैड	3,247.00	3,247.00
25.	छाजूराम की मेड़बन्दी	,,	7,713.00	7,713.00
26.	धमोल सिंह की मेड़बन्दी	,,	769.00	769.00
27.	जया राम की मेड़बन्दी	,,	2,462.00	2,462.00

28.	बास का तेला की मेड़बन्दी	समरा	1,499.00	1,499.00
29.	देव राम की मेड़बन्दी	,,	1,335.00	1,335.00
30.	डूगर तले का बांध	,,	4,709.50	4,709.50
31.	गुल्ला वाला बांध	,,	3,875.00	3,875.00
32.	बीटला की मेड़बन्दी	समरा	747.00	747.00
33.	पाडाकरण का टॉका	,,	7,212.00	7,212.00
34.	रमसी वाली मेड़बन्दी	सकट	697.00	697.00
35.	जूनैटा की जोहड़	,,	1,297.50	432.50
36.	लीला वाली जोहड़ी	,,	3,527.00	1,175.00
37.	नाला वाली जोहड़ी	,,	4,131.00	1,377.00
38.	गंगाधर की मेड़बन्दी	सकट	690.00	690.00
39.	माली वाले खेत की मेड़बन्दी	,,	337.00	337.00
40.	नानगराम की मेड़बन्दी	,,	527.50	527.50
41.	मुरारीलाल पुरोहित की मेड़बन्दी	,,	1,757.50	1,757.50
42.	छाजूराम पटेल की मेड़बन्दी	,,	1,209.00	1,209.00
43.	भगवान सहाय की मेड़बन्दी	,,	2,356.50	2,356.50
44.	बद्री मीणा की मेड़बन्दी	सकट	1,198.75	1,198.75
45.	हजारी लाल की मेड़बन्दी	सकट	626.25	626.25
46.	सूर सिद्ध का जोहड़	मथुरावट	1,810.00	605.00
47.	नक्ट वाला जोहड़	,,	2,412.00	804.00
48.	छलार वाला बांध	मथुरावट	30,537.00	10,180.00
49.	साधुराम की मेड़बन्दी	,,	5,168.00	5,162.00
50.	कुण्डली वाला बांध	रहका माला	51,220.00	12,184.00
51.	घोर वाली जोहड़ी	,,	2,716.50	905.00
52.	धोका वाली जोहड़ी	,,	5,083.50	1,694.40
53.	जोहड़ी वाली जोहड़	,,	1,710.00	570.00
54.	रहका माला वाला	,,	3,810.00	3,810.00
55.	रहका माला वाला जोहड़	रहका माला	8925.25	2,975.25
56.	राड़ी वाला जोहड़	,,	5,944.75	1,981.50
57.	कुंज सागर	कालैड	53,289.00	21,513.00

58.	ठोला वाला जोहड़	हरीपुरा	6092.00	6092.00
59.	पंचवीर वाला जोहड़	,,	17,496.00	3130.00
60.	भुराला वाला एनीकट	दूहार माला	45,295.75	11,624.25
61.	घाटी वाला बांध	,,	21,109.00	7,035.00
62.	तेल्या वाला जोहड़	,,	879.75	293.25
63.	दादा वाला जोहड़	,,	1,716.00	572.00
64.	राडी वाला जोहड़	,,	4,267.50	1,422.50
65.	टॉका मरम्मत	,,	499.50	
66.	किसना वाला एनीकट	,,	24,621.00	24,621.00
67.	लामोड का जोहड़	हमीरपुर	5,469.00	1,823.00
68.	नगरा काल्प की मेड़बन्दी	,,	2,010.50	2,010.50
69.	क्यारडा बांध	,,	3,473.50	1,158.00
70.	देवमहाराज की कुंई	,,	5,000.00	1,250.00
71.	भौरे लाल की मेड़बन्दी	,,	3543	3543
72.	न्याम वाली मेड़बन्दी	,,	2,248.75	2,248.75
73.	जब्बर सागर	,,	41.614.50	10,699.00
74.	न्याय काली मेड़बन्दी	,,	2,840.50	2,840.50
75.	दादी वाला बांध	,,	9,795.00	9,795.00
76.	बेवड़ी वाली मेड़बन्दी	,,	879.75	293.25
77.	अडा वाली मेड़बन्दी	,,	2,349.00	2,349.00
78.	भाड्या की मेडबन्दी	,,	7,282.00	2,427.50
79.	छीतर मीणा की मेड़बन्दी	,,	2,347.00	2,347.00
80.	ठावा वाली जोहड़ी	,,	3,993.50	1,331.25
81.	छीतर मीणा की मेड़बन्दी-2	,,	5,649.00	1,883.00
82.	ग्यारला की मेड़बन्दी	,,	4,539.25	1,513.25
83.	जगन्नाथ का टॉका	,,	8,608.00	8,608.00
84.	पंचवीरा वाला जोहड़	,,	3,620.00	1,890.00
85.	नानक वाला जोहड़	हरीपुरा	8,958.25	2,986.00
86.	शहर वाली जोहड़ी	काला लांका	1,251.00	417.00
87.	काला खेत का एनीकट	देवरी	2,520.00	—

88.	सुखसागर	देवरी	2,420.00	—
89.	प्रेम सागर	देवरी	33,614.00	8,000.00
90.	भौरेलाल का जोहड़	घाटड़ा	13,615.50	4,538.50
91.	पाडाकरण टॉका	पाडाकरण	3,349.00	2,610.00
92.	खोरी वाली जोहड़ी	नागल बानी ढाणी	3,689.00	1,230.00
93.	महन्त वाली जोहड़ी	~~हिरनोडी~~ हिरनोदी	8,819.00	2,940.00
94.	नाई वाली जोहड़ी	" "	4,198.00	1,400.00
95.	~~पुरा~~ जोहड़	~~आन्धकड़ी~~	9,539.00	3,180.00
96.	किटला एनीकट	कीटला	1,06,824.00	35,608.00
97.	रामेला का जोहड़	मैड	9,594.00	3,198.00
98.	लाला वाली जोहड़ी	झीरी	1,462.50	487.50
99.	पीपल वाली जोहड़ी	सांवतसर	885.00	885.00
100.	बीड़ वाले हनुमान का बंध	नीमी	3,220.50	1,107.00
101.	खरकेड़ा की जोहड़ी	चेल्याला	5,887	1,962.50
102.	लम्बी वाली जोहड़ी	"	2,440.00	813.60
103.	मन्डोर का जोहड़	मन्डोर	4,243.50	1,414.70
104.	जयपुरा का जोहड़	जयपुरा	25,512.00	8,504.00
105.	बड़ा वाला काली जोहड़ी	पापड़ा शहापुरा	10,688.25	3,562.50
106.	सत्यनारायण शर्मा की मेड़बन्दी	"	2,650.00	2,650.00
107.	गोच्छा वाली जोहड़ी	"	2,145.00	2,145.00
108.	नाल का एनीकट	गोगुन्दा	1,44,290.00	40.240.00
109.	दलपतपुरा का तालाब	दलपतपुरा जैयपुर	29,440.00	10.016.00
110.	बिमलपुरा का तालाब	बिमलपुरा	22,240.00	6,990.00
111.	इन्दरापुरी का तालाब	इन्दरापुरी	46,672.00	15,557.00
112.	कौरो वाली जोहड़ी	मारकण्डा	45,374.00	14,125.00
113.	चौड़े नाले का बांध	सारगी	35,829.00	10971.00
114.	लाड़पुरा का एनीकट	लाड़पुरा	2,125.00	2,125.00
115.	बुढ़ा जोहड़	सुन्दरपुरा	4,111.75	1,570.60
116.	ऊंचा टीले का जोहड़	"	4,132.00	1,344.00
117.	लुगाई वाली जोहड़ी	संतोकपुरा	1,151.00	383.00

118.	बड़ कली जोहड़ी	पांचवड़ी	548.00	161.00
119.	स्कूल वाला जोहड़	पंचवडी	11,079.00	5,936.00
120.	काला लाका एनीकट	लांक रिवाली	15920.50	5760.00
121.	भायला की कुई	गढमोरा	2,710.00	2,710.00
122.	ग्राम सागर	कुण्डरोली	20,430.00	6,810.00
123.	गांव का जोहड़	गिरधरपुरा	24,336.00	8,112.00
124.	शमसान वाला जोहड़	केसरीपुरा	14,663.50	4,921.00
125.	किला वाला बंधा (रेलवे वाला)	सताना	24,937.50	8,312.00
126.	हवाड़ा का जोहड़	~~विस्ट~~	38,839.50	12,947.00
127.	घाटी तले वाला जोहड़	~~अकबरपुर~~ घाटी तला	2,250.00	2,250.00
128.	नल वाला जोहड़ पहाड़ी	सीरा वास	6,435.00	2,145.00
129.	हर सागर जोहड़	,,	16,425.00	4106.00
130.	फागल वाली पहाड़ी	काली खोह	2,420.00	806.00
131.	पंचवीर वाली जोहड़ी	~~होटसी~~ टोडली	19,000.00	6,347.50
132.	घाटी वाली नहर का बंधा	पथरोडा	12,700.00	4,248.00
133.	~~सिद्धा वासी नाली बंधा~~	पथरोडा	7,600.00	2,536.00
134.	गोकुल दास जी वाला बंधा	टोडली	17,005.00	5,618.00
135.	लालदास महाराज वाला जोहड़	,,	21,079.00	7,026.00
136.	स्वामियों का जोहड़	कोठला	2,154.00	718.00
137.	बुद्धासिद्ध वाला जोहड़	करीरिया	6,373.50	2,125.00
138.	गोरी वाला जोहड़	गढ़ी मामोड़	3,076.00	1,026.00
139.	शीशम वाला जोहड़	लाड़पुर	11,300.00	7,773.00
140.	बाबाजी वाला जोहड़	पुरा जोहड़	7,205.00	7,205.00
141.	फेलाराम वाला जोहड़	बैर खेड़ा	14,290.00	4,763.00
142.	हवड़ा का जोहड़	गढ़ी माजोड़	11,238.00	2809.50
143.	पंचवीर वाला जोहड़	टोडली	7,627.00	2,452.00
144.	नीमड़ी वाला जोहड़	डाबली	18245.00	6082.00
145.	नदी वाला जोहड़	डाबली	2,886.00	962.00
146.	महादेव जी वाला जोहड़	मुहब्बतपुर	58,917.00	19,639.50
147.	गंगागिरी वाला जोहड़	सोतका	14,252.00	4,751.00

148.	बड़ा नया बांध	बड़खेड़ा	66641.00	22,215.00
149.	गौरिला का जोहड़	लीलका(वीणक)	4,340.00	1,446.00
150.	मदनसिंह के खेत की मेड़बंदी	चोमो	757.00	757.00
151.	भादड़वास की तलाई	भादड़वास	27,593.50	1,006.00
152.	बल्लूपुरा की तलाई	बल्लूपुरा	29,440.00	929.00
153.	देडा वाली तलाई	डंडा वाला	32,009.00	10,667.00
154.	भूरासिंह का बंधा	माचेडी	3,825.00	1,275.00
155.	भीष्म का जोहड़	बहड़को	3,926.00	1.326.00
156.	बिसा वाला बांध	गोबिन्दपुरा	195.00	—
157.	स्कूल पीछे का जोहड़	पाटन	12,315.00	4,105.00
158.	सिद्ध वाला जोहड़	बानपुरा मैड	7,571.00	2,524.00
159.	कसीरा वाली मेड़बन्दी	बूजा, अजबगढ़	1,912.00	1,912.00
160.	कुण्डली वाला एनीकट	डूमोली	4,211.50	4,211.50
161.	नीम वाला जोहड़	तालुका वास	7,037.00	2,344.00
162.	जोधा वास का जोहड़	जोधा वास	7,244.00	2,414.80
163.	मिश्रवास को जोहड़	,,	6,581.00	6,581.00
164.	रूपवास का एनीकट	रूपवास	7.010.00	1,150.00
165.	किसन लाल की मेड़बन्दी	जयसिंहपुरा	6,825.00	7,001
166.	गोपाल दास का जोहड़	घोली दॉती	7,398.00	2,466.00
167.	कैत्की वाला जोहड़	बाल्कया रैणी	3,259.00	1,089.00
168.	बहला कुण्डा वाला जोहड़	बिलेश बिलेटा	5,331.00	1,777.00
169.	कैलाश कुमार	बान्दी कुई	1,800.00	3,600
170.	मनोहर के खेत की मेड़बन्दी	भृतहरि	4,210.00	4,210.00
171.	बीस बीघा की मेड़बन्दी	सालेटा	10240.00	10240.00
172.	चरी वाले खेत की मेड़बन्दी	सालेटा	2284.00	2884.00
173.	कुण्डकला की जोहड़ी	गोगोरिया की ढाणी	6127.00	2042.00
174.	भैरूजी वाला जोहड़	देवीपुरा	14488.90	4830.00
175.	बीजा की ढाह	काला लांका	840.00	280.00
176.	बिन्दी वाली जोहड़ी	बिचपड़ी	1,728.00	576.00
177.	बालाजी की जोहड़ी	सूकार	3,834.00	894.00

179.	काली वाले खेत की मेड़बन्दी	सिकाला	8,488.00	8,488.00
180.	पालेश्वर का तालाब	तरिचर कला	84,835.00	21,200.00
181.	रालवी काला	लोसल ब्राह्मण	5,865.00	1,955.00
182.	शम्भु मिश्रा की मेड़बन्दी	तालाब	765.00	765.00
183.	हरी किशन की मेड़बन्दी	,,	1852.00	1852.00
184.	कासली वाला जोहड़	लोसल	6135.00	2046.00
185.	हीडी वाला बांध	रामपुरा	9,614.00	1,871.50
186.	नैतिन वाला जोहड़	तालाब	5,181.00	1,727.00
187.	पीला जोहड़	माण्डलवास	9569.00	1988.00
188.	बनवारी लाल की मेडबन्दी	लोसल ब्राह्मण	883.00	884.00
189.	पाल वाली मेड़बन्दी	अमावरा	2,175.00	2,175.00
190.	अडी वाली मेडबन्दी	,,	1,199.00	1,199.00
191.	रैगरा वाली मेड़बन्दी	,,	1,724.00	1,724.00
192.	चपलेट वाला बांध	टेकड़ी	15,500.00	15,551.00
193.	हरसहाय गूर्ज का एनीकट	कोल्याला	870.00	870.00
194.	वाल बैडिंग	अमावरा	800.00	800.00
195.	पंचोलाई तालाब	नीमाज	6,896.00	—
196.	डूगरी वाला बांध	बामनवास	10,058.00	10,058.00
197.	बलाली का जोहड़	बुर्जा	4,320.00	1,440.00
198.	कजोड़ मीणा का एनीकट	कुंजमन्याली	1,192.00	1,192.00
199.	लाक रिवाली वाला नाला बन्डिग	लाक रिवाली	2,804.00	1,932.00
200.	नई मण्डी की मेड़बन्दी	भीकमपुरा	45,908.00	—
201.	सोकड़ा वाले खेत की मेड़बन्दी	सावंतसर	2,223.00	2,223.00
202.	बाई वाले खेत की मेड़बन्दी	ज्ञानपुरा	13,782.50	4,540.00
203.	स्वंगन पटेल की मेड़बन्दी	अमावरा	2751.50	2751.50
204.	नाला बन्डिंग	अमावरा	410.00	410.00
205.	नेता वाला जोहड़	लखेर	7871.75	2624.50
206.	खासा का तालाब	खासा	14,570.00	—
207.	बैठक की जोहड़ी	माण्डलवास	3262.50	1087.90
208.	रामधन मीणा की मेड़बन्दी	डूमोली	1948.00	1948.00

209.	खजूर वाले खेत की मेड़बन्दी	भूरियावास	2218.00	2218
210.	तरुण ताल	भीकमपुरा	13,340.75	13,340.00
211.	गडराला की जोहड़ी	गढी	5,640.00	2,616.00
212.	पुरा तालाब	खासा	21640.00	—
213.	रजाक का तालाब	,,	2,884.00	2,260.00
214.	बडाली वाले खेत की मेडबन्दी	सालेटा	776.00	776.00
215.	बनवारी का जोहड़	लोसल	5248.00	1750.00
216.	भोमिया वाला बांध	नरवास	1,082.00	360.00
217.	हनुमान मीणा के खेत की मेड़बन्दी	बाछड़ी	900.00	900.00
218.	मोहर सिंह गूर्जर की मेड़बन्दी	सबडावली	5,100.00	5,100.00
219.	श्मसान वाला जोहड़	लोसल	15,643.00	5,214.00
220.	बर राम का तालाब	बड़कली	2,500.00	2,500.00
221.	केली वाला जोहड़	काला रिवाज	1.079.00	1,079.00
222.	बदरी मीणा का बांध	ठेकडीन	2538.50	2538.50
223.	गिर्राज की मेड़बन्दी	गढमोरा	4012.00	4012.00
224.	नाला बन्डिंग	लाँक	6988.00	1,596.00
225.	केमा वाला बांध	नीमला	5,575.00	5,575.00
226.	तेजा की जोहड़ी	डीगोता	3,436.00	3,436.00
227.	मंगता वाला जोहड़	राम्याला	7,918.00	7,918.00
228.	नया वृक्ष का बांध	,,	8,802.00	8,802.00
229.	केशूला वाला बांध	,,	4342.00	4342.00
230.	सड़क के ऊपर वाला बांध	,,	16,177.00	16,177.00
231.	जुथा वाला जोहड़	नाभाला	1,339.00	446.00
232.	पंचवीर वाला जोहड़	नाभाला	6979.00	2326.00
233.	खरीफ वाला जोहड़	भानपुर	44,085.00	10,000.00
234.	झाल वाला जोहड़	नीमी	22,540.75	7,513.25
235.	भैरु सहाय की मेड़बन्दी	श्रीनगर	1,468.00	1,468.00
236.	कोल्याली की जोहड़ी	रिक्शा	10,035.00	3,346.00
237.	महादेव की मेडबन्दी	धारोलाई	2,700.00	2,700.00
238.	कामोला का एनीकट (कमोला)	नीमला	82,066.00	9,977.00

239.	उवाक के खेत की मेड़बन्दी	थली	3,216.00	3,216.00
240.	भौरे लाल की मेड़बन्दी	तीतरवाड़ा	12,502.50	12,502.50
241.	करोली वाली जोहड़ी	बस्सी	13,629.00	4,543.00
242.	सोल वाला जोहड़	,,	21,460.00	7,154.00
243.	नाहरी के खेत की मेड़बन्दी	थली	18,742.00	7,531.00
244.	चतरपुरा का एनीकट	,,	14,741.00	3.169.00
245.	लाडिया का जोहड़	बिणजारी	1,964.00	655.00
246.	कोला की का जोहड़	राजपुरा	6,297.00	2,099.00
247.	कुशाल सागर	पाडली	2,767.00	2,767.00
248.	फुटाला का बांध	बीरपुरखेड़ा	64,617.00	16,150.00
249.	मन्दिर वाली जोहड़ी	पाडा	11,635.00	387.00
250.	फोजी की मेड़बन्दी	डगडगा	8,676.00	8,676.00
251.	हनुमानजी वाला जोहड़	सैंथल	2,018.00	2,018.00
252.	डूगरी वाला जोहड़	डोरोली	6108.00	2,036.00
253.	डोरोली वाला जोहड़	डोरोली	3,773.00	1,250.00
254.	प्रेमसागर	ईशवाना	40,337.00	10.084.00
255.	छोटेलाल मीणा वाला बांध	ठेकडियान	46,014.00	46,014.00
256.	देवी सहाय वाला जोहड़	डगडगा	3,339.00	1,113.00
257.	मूलचन्द वाला जोहड़	डगडगा	3,741.00	1,247.00
258.	कुशाल जोहड़	पाडली	6,044.00	2,015.00
259.	फोजी वाली मेडबन्दी	की लपुर खेड़ा	3,440.00	3,440.00
260.	सार्वजनिक	डगडगा	11,696.00	3,899.00
261.	जगदीश मीणा वाला बांध	डेरा	5,097.00	5,097.00
262.	भूरासिंह का जोहड़	माचेड़ी	5,709.00	5,709.00
263.	भैरू वाला जोहड़	लाडिया	8,217.00	2,739.00
264.	बाबा गाविन्ददास का जोहड़	,,	22,782.00	7,594.00
265.	लांच वाला जोहड़	,,	10,857.00	3,619.00
266.	चौड़े पापड़े वाला जोहड़	,,	14,930.00	4,76.00
267.	भूरा वाला जोहड़	,,	14,609.00	4,869.00
268.	गोर वाला जोहड़	बल्लुपुरा	19,155.00	6,385.00

269.	पदमा वाला जोहड़	सैंथल	11,530.00	3,843.00
270.	घवास वाला जोहड़	डेरा	5,850.00	5,850.00
271.	खालिवास का डेरा	डेरा	25,200.00	8,407.00
272.	हनुमान की तलाई	सैथल	13,835.00	4,611.00
273.	रूपवास का कुण्ड	रूपवास	44,800.00	14,953.00
274.	जगमाल पुरा का जोहड़	जगमालपुरा	52,972.00	17,657.00
275.	रामसुख का बांध	ठेकडियान	40,170.00	40.170.00
276.	भोला राम का जोहड़	काली खोल	1,339.50	1,339.50
277.	छोटेलाल का चैकडेम	,,	4,966.00	4,966.00
278.	श्रवण मुकन्द का जोहड़	सावर	1,511.00	1,511.00
279.	जंगल का जोहड़	माधोगढ़	3,542.00	1,180.00
280.	पंचवीर वाला जोहड़	कैरवाडा	17,905.00	5,968.00
281.	पहाड़ी वाला जोहड़	काली खोल	1,667.00	556.00
282.	भैरा वाला जोहड़	काली खोल बैरा	3,160.50	1,054.00
283.	विसालू वाला जोहड़	विसालू	19217.00	6406.00
284.	दल्ला वाली जोहड़ी	सनोखर	37,840.00	12,614.00
285.	शम्भूजी वाला जोहड़	कल्याणपुरा	11,720.00	3,907.00
286.	बागीची वाला जोहड़	ढहलावास	18,203.00	6,068.00
287.	किसना वाली जोहड़ी	छील्ला चोह	20,794.00	6,932.00
288.	काली पहाड़ी वाला जोहड़	काली पहाड़ी	22,473.00	7,491.00
289.	दाग वाला जोहड़	छिल्ला चोह	23,133.00	7,711.00
290.	नीमला जोहड़	लैकड़ी	12,730.00	4,244.00
291.	साधु वाले खेत की मेड़बन्दी	काली खोह	2,311.00	2,311.00
292.	जोहड़	काली खोह	1,730.50	1,730.50
293.	रास्ते वाला जोहड़	जाटोली	9,660.00	3,220.00
294.	नाई लूल के खेत की जोहड़ी	काली खोल	1,116.00	1,116.00
295.	गांव वाला जोहड़	जटरोणीजी	42,537.00	14,179.00
296.	बगीची वाला जोहड़	बनीया वाली	34,072.00	11,358.00
297.	डोबा वाली जोहड़ी	खारेडा	12,506.00	4,169.00
298.	बुद्धन की जोहड़ी	काली खोल	1,202.00	1,202.00

299.	मीणा वाला एनीकट	काली खोल	10,428.00	10,428.00
300.	रामलाल की जोहड़ी	काली खोल	936.00	936.00
301.	बड़ा जोहड़	कासका	63,700.00	21,234.00
302.	रतन की जोहड़ी	छोटा राजपुर	4,056.00	4,056.00
303.	जोहड़	गढ़वास फोरा	14,113.00	4,705.00
304.	कलाल का जोहड़	छोटा राजपुर	5,688.00	1,895.00
305.	जोहड़ी	बिसालू	690.00	690.00
306.	जोहड़ी	खरकड़ा	1,794.50	1,794.50
307.	दुग्गाराम की जोहड़ी	काली खोल	2,890.00	2,890.00
308.	चैकडेम	,,	3,333.00	3,333.00
309.	भोमिया का जोहड़	सौदानपुर	14,404.00	4,802.00
310.	अमरसिंह की जोहड़ी	खरकड़ा	961.00	961.00
311.	कुण्डल का जोहड़	बुर्जा वाली	7,196.00	7,196.00
312.	चैकडेम	काली खोल	1,065.00	1,065.00
313.	जोहड़	बैरवा का वास	15,677.40	5,225.80
314.	बुदिन वाली जोहड़ी	भड़कोल	3,125.00	1,042.00
315.	प्रहलाद के खेत कर मेडबन्दी	खरकड़ा	3,746.00	3,736.00
316.	माक्न्दि के खेत कर मेडबन्दी	,,	2,240.00	2,240.00
317.	लादीराम के खेत कर मेडबन्दी	,,	2,825.00	2,825.00
318.	दानी वाला बन्ध	पथरोडा	9,966.25	9,966.25
319.	जहूर के खेत कर मेडबन्दी	,,	804.00	804.00
320.	घाटा वाला जोहड़	चौमू	11,712.00	3,904.00
321.	सुगर वाला जोहड़	भडकोल	11,480.25	3,826.75
322.	किशन सागर	बुर्जा	6,253.00	2,024.00
323.	कमला के खेत कर मेडबन्दी	अकबरपुर	1,262.00	1,262.00
324.	छाजूराम के खेत की मेडबन्दी	,,	590.00	590.00
325.	हीरा के खेत कर मेडबन्दी	गढी मामोड	615.00	615.00
326.	बिमला के खेत कर मेडबन्दी	,,	1,225.00	1,225.00
327.	शिम्भु के खेत की मेडबन्दी	,,	1,194.00	1,194.00

328.	नई जोहड़ी	पालपुर	922.00	304.00
329.	भगवान सहाय के खेत की मेडबन्दी	बिणक	1,501.00	1,501.00
330.	बद्री की एनीकट	बख्तपुरा	2,467.00	2,467.00
331.	जगन के खेत की मेडबन्दी	आलमपुर	750.00	750.00
332.	छोटेलाल की जोहड़ी	बीणक	889.00	899.00
333.	छीतर की जोहड़ी	बुर्जा पाली	1,395.00	1,395.00
334.	खबानी राम की जोहड़ी	कैरवाड़ी	1,468.00	1,468.00
335.	विघा का जोहड़	महसापुर	5,624.00	1,975.00
336.	खुबी का जोहड़	जुगरावर	3,219.00	3,219.00
337.	शहीद वाला जोहड़	खरकड़ा	25,852.25	7,489.00
338.	पप्पुराम की जोहड़ी	इन्दोख	2,657.50	2,657.50
339.	रामकरण की जोहड़ी	काली खोल	788.00	788.00
340.	हर सागर	,,	17,212.00	5,737.00
341.	किरनसिंह की जोहड़ी	लैकड़ी	943.00	943.00
342.	भौपा वाला जोहड़	खरकड़ा	16,265.00	5,421.00
343.	केला वाला जोहड़	नवलपुरा	8,459.00	2,819.00
344.	जन्म पुरी वाला जोहड़	बीणक	6,122.00	1,836.00
345.	रोताश की एनीकट	बल्लूवास की ढाणी	1,350.00	1,350.00
346.	सम्पत की जोहड़ी	गढ़ी कल्याण	8,462.00	8,462.00
347.	नई जोहड़ी	बानसूर	10,336.00	10,336.00
	टॉका निर्माण	गढमोरा क्षेत्र		
348.	जयप्रकाश का टॉका	,,	11,200.00	11,200.00
349.	हैदरान का टॉका	,,	9,093.50	9,093.50
350.	सुमेर का टॉका	,,	9,550.00	9,550.00
351.	हरपुर का टॉका	,,	7,800.00	7,800.00
352.	जोबनेर माता का टॉका	,,	6,480.00	6,480.00
353.	भाटाला का टॉका	,,	8,320.00	8,320.00
354.	रघुनाथपुरा का टॉका	,,	5,780.00	5,780.00
355.	नरसिंहपुरा का टॉका	,,	12,850.00	12,850.00
356.	गढमोरा का टॉका	,,	14,400.00	14,400.00

TARUN BHARAT SANGH, BHEEKAMPURA, KISHORI (ALWAR)
CONSOLIDATED RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.3.97

RECEIPTS	AMOUNT	PAYMENTS	AMOUNT
To Opening Balcne		By Honorarium & Stipend	9,72,467.50
Cash in hand 16,969.15		By Workshop/Seminar/Camps Expenses	6,22,061.50
Cash at Bank 23,24,942.67	23,41,911.82	By Administrative Exp.	80,905.75
TO CONTRIBUTION FROM		By Johads/Dam/Physical Work	38,13,987.80
Inter Co-operation, Switzerland	11,00,700.00	By Travelling Expenses	68,044.00
ICCO., Netherland	15,81,878.00	By Training Expenses	55,156.50
S.D.C Embassy of Switzerland	4,86,400.00	By Honorarium to Resources Person	55,764.00
OXFAM India Trust	19,40,476.00	By Documentation Expenses	50,960.00
GTZ, New Delhi	5,91,000.00	By Books Printing Expenses	28,500.00
Central Social Welfare Board	1,29,360.00	By Stationery & Postage	57,534.00
Seva Mandir	14,500.00	By Fodder Development	91,508.00
Lok Zumbish Parisad	4,50,000.00	By Khadi Unit Expenses	77,147.60
CAPART	1,00,000.00	By Machine Repair & Maintenance	1,47,388.85
Embassy of Swedan (SIDA), New Delhi	15,75,000.00	By Diesel Expenses	1,35,370.15
To Membership Fees	250.00	By Loadging Expenses	1,65,267.25
To Miscellaneous/ Other Recipts	1,11,088.00	By Agriculture	5,363.50
To Tractor Activity	1,38,344.00	By Donation/ Contribution	92,504.00
To Loan Return from Workers	2,16,920.00	By Fuel Timber Expenses	14,756.25
To Local Contribution	3,90,000.00	By Electric Charges	7,306.00
To Bank Interest	33,496.00	By Wages	25,898.00
TO AMOUNT CHARGED FROM		By Apiculture Expenses	1,365.00
VARIOUS PROJECTS		By Insurance Expenses	4,374.00
Food arrangement	5,29,985.00	By Audit Fees	10,000.00
Administrative	96,380.00	By Bank Charges	2,551.00
Transporation	33,350.00	By Contigencies Expenses	3,11,062.45
Medicine	1,10,268.00	By Nutrition	81,240.00
TO AMOUNT RECOVERED FROM		By Telephone Expenses	2,909.75
Central Social Welfare Board	1,54,579.00	By Maping	15,660.00
		By Installation of Extention Center	1,02,097.00
To Sale of Motor Cycle	11,000.00	By Doctor Honorarium	33,952.00
		By Transporation	48,279.50
		By Maintenance of Jeep/ Truck/ Motor Cycle etc.	14,361.80
		By Monitoring & Case Study	21,532.00
		By Roofing Material	12,15,503.00
		By Overheads	2,45,745.60
		By Entry Point Activities	2,62,216.00
		By Medicines	1,79,752.80

BY CAPITAL EXPENDITURE	
Jeep/ Vehicles	6,79,370.00
Land & Building	6,12,814.60
Cow	1,200.00
Furniture	7,800.00
BY LOAN TO	
Workers & Others	3,44,181.50
BY CLOSING BALANCE	
Cash in hand	3,57,907.60
CASH AT BANK	
Garmin Bank Kishori A/C No. 1911	95,756.50
Gramin Bank, Kishori	3,00,102.50
SBBJ, Thanagaji	671.67
PNB, Umrain	17,965.00
The Bank Of Raj. Ltd.	19,963.90
Fixed Deposit	5,78,660.00
1,21,36,885.82	1,21,36,885.82

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE
FOR GOYAL ASHOK & ASSOCIATES
CHARGERED ACCOUNTANTS

JAIPUR.
DATED : 22 JUL 1997

(A. K. GOYAL)
PROPRIETOR

FOR TARUN BHARAT SANGH

GENERAL SECRETARY

तरुण भारत संघ : घटना चक्र

25	मार्च	1975	अग्नि पीड़ितों की मदद के लिए तरुण भारत संघ का गठन।
1	अप्रेल	1975	पहला खुला सम्मेलन, पीड़ितों की सतत सहायता हेतु योजना निर्माण।
30	मई	1975	संस्था के रूप में पंजीकरण।
	जून	1975	युवा संस्कार शिविर श्रृंखला शुरू।
	जुलाई	1975	लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु चेतना अभियान।
	अक्टू.	1975	मानवाधिकार चेतना अभियान। युवा चेतना शिविर श्रृंखला चलती रही।
	अप्रेल	1981	ग्रामीण युवाओं के साथ पहला शिविर।
	जुलाई	1982	श्रमदान शिविर श्रृंखला शुरू हुई।
	जून	1983	गाड़िया लुहारों के पुनर्वास पर शोध शुरू हुई।
24	दिस.	1984	तरुण भारत संघ का पुनर्गठन।
	जनवरी	1985	क्षेत्रीय अध्ययन व शोध।
4.	फर.	1985	F.C.R.A पंजीकरण।
	मार्च	1985	मानवाधिकार चेतना अभियान।
2	अक्टू.	1985	तरुण भारत संघ का गांवों में प्रवेश।
	अक्टू.	1985	गांवों का अध्ययन।
	नव.	1985	गोपालपुरा गांव में काम शुरु।
	फर.	1986	सूरतगढ़ गांव में ग्राम स्वराज्य शिविर।
	मार्च	1986	सरिस्का बाघ परियोजना में काम की शुरुआत।
	मार्च	1986	गोपालपुरा गांव में मेवालों वाले बांध का निर्माणकार्य शुरू।
	अप्रेल	1986	भाल गांव से वापसी।
	जून	1986	कुआं गहरा करने का काम शुरू किया।
	जुलाई	1986	जल, जंगल व गोचर विकास का पहला शिविर, भीकमपुरा स्कूल में आयोजित।
26जून	से 13 फर.	1987	ग्राम स्वराज्य चेतना पदयात्रा।
	फर.	1987	गोपालपुरा, गोविंदपुरा में तरुण भारत संघ द्वारा बनाये बांधों को तोड़ने के सरकारी नोटिस।
	फर.	1987	कुंआ गहरीकरण का काम बन्द किया।
	मार्च.	1987	जल संरक्षण अभियान चालू।
	अप्रेल	1987	जल संरक्षण नीति की मांग लेकर आंदोलन शुरू।
	जून	1987	सरिस्का में कानूनी साक्षरता शिविर।
	जुलाई	1987	जलागम क्षेत्र गोपालपुरा का विकास।
	अगस्त	1987	पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ यात्रा की शुरूआत।
7	अक्टूबर	1987	नरायणीमाता में ग्राम स्वराज्य शिविर।
18	दिसम्बर	1987	प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी को सरिस्का के लोगों व जंगल जंगली जीवों को बचाने हेतु ज्ञापन दिया।
28	दिसम्बर	1987	तरु ण भारत संघ को सरिस्का में काम पर रोक।
	जनवरी	1988	22 गांवों का विस्थापन रोकने हेतु एक साथ 15 गांवों में अखण्ड रामायण पाठ।
	जून	1988	वनकर्मियों द्वारा देवरी गांववासियों पर एक माह तक रात्री में पत्थरों की वर्षा की जिलाधीश द्वारा जांच कराई। वनकर्मी दोषी।
	जुलाई	1988	देवरी से वन चौकी हटवाना। वन्य जीव संरक्षण की जिम्मेदारी गांववासियों ने ली।
	अगस्त	1988	हरीपुरा से वन चौकी हटवाना। वन, वन्य जीव संरक्षण का काम गांववासियों द्वारा शुरू हुआ।
16	जून	1989	पेड़ लगाने के आरोप में 4950 रु. का त. भा. सं. पर सरकार द्वारा दण्ड किया जाना। पेड़ लगाना व पेड़ बचाना जन्मसिद्ध अधिकार की घोषणा के साथ आन्दोलन शुरू हुआ।
23	जून	1989	ग्राम सभा गोपालपुरा द्वारा साडियास जलागम क्षेत्र के पेड़ों का कटान रोकने हेतु चिपको आंदोलन चलाने की घोषणा।
	जुलाई	1989	तरुण भारत संघ का अपने कार्यालय भवन 'तरुण आश्रम' में प्रवेश।

3	जुलाई	1989	प्रशासन की पहल पर गोपालपुरा से पेड़ कटे। जिसके लिए गोपालपुरावासियों को डराया, धमकाया गया। गांव में फूट डालने के सभी साधन अपनाये, फिर भी गांववासियों ने अपने पेड़ बचाने को अपना संकल्प दोहराया।
22	जुलाई	1989	जिलाधीश अलवर द्वारा गोपालपुरावासियों से अपनी गलती की क्षमा प्रार्थना। प्रशासन व ग्रामवासियों के बीच तनाव कम करने के लिए श्री चण्डीप्रसाद भट्ट व श्री प्रभाष जोशी जी से मध्यस्थता कराई। सबको मिलाने हेतु सद्भावना सम्मेलन का गोपालपुरा में आयोजन। इसमें सभी भागीदार हुए। जिलाधीश को विदाई दी।
1	अगस्त	1989	पेड़ लगाना, जन्मसिद्ध अधिकार के नारे के साथ पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ पदयात्रा शुरू हुई।
17	अगस्त	1989	रक्षाबन्धन के दिन पेड़ों को राखी बांधकर पद यात्रा का समापन किया।
3-4	फरवरी	1990	जल व जंगल संरक्षक सम्मेलन भीकमपुरा में आयोजित हुआ। जल-जंगल संरक्षण करने वाले ग्रामवासियों को सम्मानित किया गया।
14 जन.	से 21 जून	1991	जंगल संरक्षण यज्ञ, जिसमें सरिस्का जंगल में चल रहे खदानों को बन्द कराने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित। जंगलात विभाग के साथ मिलकर संरक्षित क्षेत्रों का साझां वन प्रबन्ध कार्य शुरू करने का विचार शुरू हुआ।
	मार्च	1990	संस्कृति पुरुस्कार मिला। इस राशि से पर्यावरण प्रेमी पुरु स्कार की शुरुआत करने का विचार आया।
10	मई	1991	खनन् के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय द्वारा जनहित याचिका स्वीकार।
2	अक्टू.	1991	उच्चतम न्यायालय द्वारा सरिस्का क्षेत्र में नये खनन् पट्टे नहीं देने का आदेश मिला।
	अगस्त	1990	पर्यावरण प्रेमी पुरुस्कार समिति का गठन।
2	अक्टू.	1990	प्रथम पर्यावरण प्रेमी पुरस्कार समारोह का आयोजन 5 ग्रामसभा सम्मानित की गईं।
11	अक्टू.	1991	खनन् बन्द करने का आदेश तथा सीमांकन हेतु उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोग का गठन।
26	नवम्बर	1991	उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आयोग के अध्यक्ष, न्यायाधीश व राज्य के उच्च अधिकारियों, जिलाधीश पुलिस की उपस्थिति में खान मालिकों द्वारा संघ के महामंत्री पर जानलेवा हमला। संघ के कार्यकर्ताओं पर जगह-जगह हमले तथा मार-पीट की गई।
20	दिसम्बर	1991	हमला करने वाले खान मालिक को उच्चतम न्यायालय ने जेल की सजा दी।
9	जनवरी	1992	त. भा.सं. के प्रयास से अरावली की पारिस्थितीकी को संवेदनशील क्षेत्र घोषित करके औद्योगिक व खनन् गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु पर्यावरण मन्त्रालय द्वारा अधिसूचना जारी।
29	जनवरी	1992	त.भा.सं. के प्रयास से पूरे देश के पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिसूचना जारी करवाना, जिसमें पर्यावरण लेखा विवरण के बिना उद्योग नहीं चलाने के निर्देश।
	फरवरी	1992	उच्चतम न्यायालय की अवमानना करने की याचिका दायर जिसके तहत राजस्थान सरकार दोषी और सरकार द्वारा दोषी अधिकारी निलंबित।
13	मार्च	1992	राजस्थान विधानसभा में खनन् उद्योग एवं तरूण भारत संघ के संबंध में बहस।
6	अप्रेल	1992	राजस्थान विधान सभा द्वारा सर्वदलीय समिति का गठन जिसने तरुण भारत संघ के कार्यों की जांच कराई।
7	मई	1992	अरावली अधिसूचना का अन्तिम प्रकाशन।
5	दिसम्बर	1992	राजस्थान सरकार द्वारा तरुण भारत संघ के कार्यकताओं के साथ ज्यादतियां करने के विरोध में जनहित याचिका दायर की गई। जिसमें सर्वदलीय विधानसभा समिति की जांच रिपोर्ट को सबके समक्ष खुला करने की मांग की गई।
25	जनवरी	1993	मल्लाना में सरिस्का बचाओ आन्दोलन की तरफ से सड़क रोककर खनन बन्द कराने के लिए सत्याग्रह किया गया।
5 मार्च से	28 मार्च	1993	खनन् बन्द कराने हेतु 5 स्थानों पर एक साथ सत्याग्रह चला।
4	अप्रेल	1993	खान मालिकों द्वारा डा. राजीव धवन व एडवोकेट उच्चतम न्यायालय एवं त. भा. सं. के कार्यकर्ताओं पर हमला, संघ के अस्पताल में तोड़-फोड़।
6	अप्रेल	1993	खान मालिकों तथा उनके एजेन्टों के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में अवमानना याचिका दायर।
7	अप्रेल	1993	तरुण आश्रम व राजीव धवन पर हमला करने वाले पुलिस द्वारा पकड़े गये।
8	अप्रेल	1993	उच्चतम न्यायालय द्वारा सरिस्का के अन्दर तथा बाहर खनन् बन्द करने का निर्णय राजस्थान सरकार को दिया।
	मई	1993	त. भा. सं. की सुरक्षा का उच्चतम न्यायालय द्वारा आदेश।

2 अक्टू.	से 22 नव.	1993	अरावली बचाओ यात्रा, पूरी अरावली क्षेत्र में हिम्मत नगर (गुजरात) से दिल्ली तक 14 यात्रा दलों द्वारा 'अरावली बचाओ चेतना पद यात्रा' की गई। जिसमें पूरी अरावली में खनन व औद्यागीकरण द्वारा होने वाली हानि को रोकने के लिए जगह-जगह आन्दोलन तैयार करना, मुख्य लक्ष्य था।
	नवम्बर	1993	हमलावरों को क्षमा मांगने पर क्षमा करना, लेकिन उच्चतम न्यायालय द्वारा भविष्य के लिए हमलावरों को चेतावनी।
25	फरवरी	1994	खान मालिकों की रिन्यू फाइल डिसमिस
6	मई	1994	राजस्थान सरकार ने खनिज संघ के प्रार्थना पत्र पर 8 अप्रेल 93 के निर्णय का रिन्यू करने की बात सुनी तथा 8 अप्रेल के निर्णय को 'टेन्टेटिव' कहा। इससे यह सरिस्का का सीमा विवाद फिर खुल गया।
5 जून से	26 जून	1994	''नदी पहाड़ बचाओ यात्रा'' अरावली व हिमालय में गलता से गंगोत्री तक नदी पहाड़ बचाओ यात्रा आयोजित की, जिसमें पर्यावरण चेतना करके सामलात देह बचाने हेतु जन मानस तैयार किया। पहाड़ों की हरियाली व नदियों की पवित्रता बनाये रखने हेतु लोगों को तैयार करना ही इसका मुख्य लक्ष्य था।
13	दिसम्बर	1994	राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार 1994 मिला।
14 जन. से	2 मार्च	1995	''जंगल जीवन बचाओ यात्रा'' यह देश के 9 राज्यों के राष्ट्रीय उद्यान, बाघ परियोजना, वन्य जीव अभयारण्यों को बचाने हेतु चेतना यात्रा आयोजित की। इस यात्रा का मुख्य लक्ष्य जंगल में रहने वाले लोगों में भाईचारा, राष्ट्रीय संगठन बनाना। संरक्षित क्षेत्रों का साझा वन प्रबन्ध करना। इस यात्रा में जंगलात विभाग के अधिकारी, वनवासी तथा अन्य नामी पर्यावरणवादी भी शामिल रहे। अन्य बहुत सी संस्थाओं का भी संयोजन में योगदान मिला।
14	सित.	1995	उच्चतम न्यायालय द्वारा 7 मई 1992 की अधिसूचना को लागू करने का आदेश दिया तथा उसके तहत् आने वाले क्षेत्रों का एक नक्शा तथा ऐफिडेविट भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।
5	जन.	1996	वन एवं पर्यावरण मामलों की सर्वदलीय संसदीय समिति ने त.भा.सं. के जल व जंगलों के संरक्षण हेतु विचार सुने।
6	फर.	1996	संसदीय समिति ने त. भा.सं. द्वारा लोगों की भागीदारी से बनाया गया लोक वन्यजीव अभयारण्य, भांवता को देखा। संघ द्वारा जल संरक्षण व जंगल संरक्षण हेतु किये गये कार्यों की प्रशंसा भी की थी।
30	नव.	1996	त. भा. सं. व लोगों के काम से पुनर्जीवित हुई अरवरी नदी में सरकार ने मछली पकड़ने का सरकारी ठेका दिया।
01	दिस.	1996	ठेके के विरुद्ध जैविक विविधता हेतु सत्याग्रह शुरू किया।
22	मार्च	1997	अरवरी नदी पर चल रहे सत्याग्रह को सर्व सेवा संघ ने समर्थन दिया।
11	अप्रेल	1997	अरवरी नदी के किनारे देशभर के नामी पर्यावरणविद् गये। लोगों की जीत में शामिल होकर खुशी मनाई। जन आंदोलन की समन्वय समिति की संयोजिका मेधा पाटकर भी भागीदार हुईं।
12	अप्रेल	1997	सरिस्का से जुड़े 503 वर्ग कि.मी. क्षेत्र को संरक्षित क्षेत्र घोषित करने का सरकार को प्रस्ताव भेजा।
15	जून	1997	सरिस्का के अंदर जंगली जीवों की जल व्यवस्था हेतु त.भा.सं. के सहयोग से बने बांधों का जन आयोग द्वारा निरीक्षण। सभी में जल उपलब्ध मिला।
20	जून	1997	सरिस्का को शिकारियों से मुक्त करने हेतु जंगली जीव सुरक्षा समिति का काम तेज करने हेतु सम्मेलन आयोजित किया।
23 जून से	15 जुलाई	1997	ग्राम-ग्राम से ग्राम स्वराज्य के प्रस्ताव सरकार को भेजे।
30	जून	1997	जिलाधीश अलवर को तरुण भारत संघ व लोगों द्वारा किया गया संरक्षण कार्य दिखाया।
16-17	जुलाई	1997	जल-जंगल-जंगली जीव संरक्षण सम्मेलन। सम्मेलन में सामलात देह प्रबन्ध की जिम्मेदारी लोगों ने स्वयं लेने का संकल्प लिया। प्राकृतिक संसाधनों का गांव सभा को मालिक बनाने का निर्णय लिया। ये ग्राम स्वराज्य की दिशा में महत्वपूर्ण सम्मेलन हुआ देश के जाने-माने लोग भी भागीदार हुए।
15	अगस्त	1997	गांवों में ग्राम स्वराज्य की घोषणा।